मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 8 अंक 143
शुक्रवार, 05 दिसम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

भारत-रूस के रिश्तों में नए अध्याय की शुरूआत

पीएम मोदी ने पुतिन के लिए 7 लोक कल्याण मार्ग पर प्राइवेट डिनर होस्ट किया

नई दिल्ली, 04 दिसम्बर। रूस के प्रेसिडेंट व्लादिमीर पुतिन गुरुवार शाम को दो दिन के स्टेट विज़िट पर नई दिल्ली पहुंचे। यह विज़िट लगभग आठ दशक पुरानी इंडिया-रूस पार्टनरशिप को और बढ़ाएगी। नई दिल्ली के पालम एयरपोर्ट पर प्राइम मिनिस्टर नरेंद्र मोदी ने रशियन लीडर को गले लगाकर रिसीव किया और इंडिया में उनका गर्मजोशी से वेलकम किया। इसके बाद, दोनों लीडर एक ही कार में सफर करके 7 लोक कल्याण मार्ग पहुंचे -- जो प्राइम मिनिस्टर नरेंद्र मोदी का ऑफिशियल घर है। ढट मोदी ने पुतिन के लिए एक प्राइवेट डिनर भी होस्ट किया, जो पिछले साल जुलाई में मॉस्को विज़िट के दौरान इंडियन प्राइम मिनिस्टर द्वारा की गई मेहमाननवाजी के बदले में था।

भारत-वर रिश्तों में तेजी से आ रही गिरावट के बैकग्राउंड में हो रही रशियन लीडर की नई दिल्ली विज़िट ज्यादा इंपॉर्टेंस रखती है। समिट के बाद, दोनों पक्षों के ट्रेड के एरिया सहित कई एग्रीमेंट पर साइन करने की उम्मीद है। शुक्रवार सुबह, समिट से पहले पुतिन का प्रेसिडेंट भवन में सेरेमोनियल वेलकम किया जाएगा।

पीएम मोदी समिट की जगह हैदराबाद हाउस में रूसी लीडर और उनके डेलीगेशन के लिए वर्किंग लंच भी होस्ट करेंगे। मामले से जुड़े लोगों के मुताबिक, पुतिन सुबह राजघाट भी जाएंगे। समिट के बाद, पुतिन रूस के सरकारी ब्रॉडकास्टर का नया इंडिया चैनल लॉन्च करेंगे, जिसके बाद वह प्रेसिडेंट द्रौपदी मुर्मू द्वारा उनके सम्मान में रखी गई सरकारी दावत में शामिल होंगे।

रूसी लीडर के शुक्रवार रात करीब 9 बजे भारत छोड़ने की उम्मीद है। समिट के बाद, पुतिन रूस के सरकारी ब्रॉडकास्टर का नया इंडिया चैनल लॉन्च करेंगे, जिसके बाद वह प्रेसिडेंट द्रौपदी मुर्मू द्वारा उनके सम्मान में रखी गई सरकारी दावत में शामिल होंगे।

समिट की बातचीत में, नई दिल्ली से उम्मीद है कि वह भारत द्वारा रूस से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल खरीदने से बढ़ते ट्रेड डेफिसिट को दूर करने पर जोर देगा।

रूस के प्रेसिडेंट का भारत दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब वॉशिंगटन के भारतीय सामान पर 50 परसेंट का भारी टैरिफ लगाने के बाद भारत-वर के रिश्ते शायद पिछले दो दशकों के सबसे बुरे दौर से गुजर रहे हैं, जिसमें नई दिल्ली के रूसी कच्चे तेल की खरीद पर 25 परसेंट लेवी भी शामिल है। समिट में भारत के रूसी कच्चे तेल की खरीद पर अमेरिकी प्रतिबंधों के असर पर चर्चा होने की संभावना है।

पूर्वोत्तर के वास्तुकार हैं पीएम मोदी: सबार्नंद सोनोवाल

नई दिल्ली, 04 दिसम्बर। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सबार्नंद सोनोवाल ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक नए और उभरते पूर्वोत्तर के महान वास्तुकार के रूप में उभरने के लिए सराहना की, जिन्होंने दशकों से उपेक्षित इस क्षेत्र को भारत के विकास, संपर्क और राष्ट्रीय गौरव के एक प्रमुख वाहक में बदल दिया है। पिछले एक दशक में हासिल किए गए विकास परिणामों पर बोलते हुए, सोनोवाल ने कहा कि पूर्वोत्तर नीति निर्माण के हाशिये से राष्ट्रीय प्राथमिकताओं की मुख्यधारा में आ गया है, जो बुनियादी ढाँचे के विस्तार, आर्थिक सुधार, सांस्कृतिक पुनरुत्थान और दीर्घकालिक शांति स्थापना के प्रति प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

सबार्नंद सोनोवाल ने कहा कि पूर्वोत्तर को सात दशकों तक कम प्रतिनिधित्व और कम निवेश का सामना करना पड़ा। उन्होंने आगे कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में, इस क्षेत्र को भारत की अष्टलक्ष्मी के रूप में मान्यता प्राप्त है - न केवल एक सीमावर्ती क्षेत्र, बल्कि राष्ट्रीय विकास का एक नया इंजन। रेलवे, राजधानी संपर्क और हवाई अड्डों से लेकर राजमार्गों, बिजली, डिजिटल नेटवर्क और अंतर्देशीय जलमार्गों तक, यह परिवर्तन ऐतिहासिक रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कनेक्टिविटी प्रधानमंत्री मोदी के रोडमैप की आधारशिला रही है। इस क्षेत्र में सभी प्रमुख गेज परिवर्तन कार्य पूरे हो चुके हैं, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, मणिपुर और मिजोरम ब्रॉड गेज नेटवर्क से जुड़ गए हैं और माल और यात्री ट्रेनें पहली बार क्षेत्र के अंदरूनी हिस्सों तक पहुँच रही हैं। इसी तरह, बोगीबील रेल-सह-सड़क पुल - जो 2018 में पूरा हुआ - और जून 2025 में भैरबी-सैरांग लिंक के चालू होने से असम और मिजोरम में पहुँच का विस्तार हुआ है। चार राजधानी संपर्क रेल परियोजनाएँ - नागालैंड, मणिपुर, सिक्किम और मेघालय - चल रही हैं, जबकि भारत-बांग्लादेश अगरतला-अखौरा रेल लिंक का उद्घाटन दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों द्वारा नवंबर 2023 में संयुक्त रूप से किया गया था। सड़कों के मामले में, पिछले दशक में 11,000 किलोमीटर से अधिक उन्नत राष्ट्रीय और रणनीतिक राजमार्गों का निर्माण किया गया है। प्रमुख गलियारों में शिलांग-नोंगस्टोइन-तुरा खंड, नेचिपु-होज एनएच-13 परियोजना, तथा कोहिमा, ईटानगर और गंगटोक के लिए राजधानी संपर्क राजमार्ग शामिल हैं, जिनमें से कई 2025 में पूरा होने वाले हैं।

बलात्कार के आरोपी विधायक की जमानत अर्जी खारिज

केरल, 04 दिसम्बर। केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष सनी जोसेफ ने गुरुवार को कहा कि निलंबित विधायक राहुल ममकूटाथिल को उनके खिलाफ गंभीर आरोप लगने और उनसे संबंधित दर्ज मामलों के बाद कांग्रेस से निष्कासित कर दिया गया है। तिरुवनंतपुरम के प्रधान सत्र न्यायालय ने कथित बलात्कार मामले में ममकूटाथिल की अग्रिम जमानत की याचिका भी खारिज कर दी है। पुलिस ने एक महिला की शिकायत के आधार पर विधायक राहुल ममकूटाथिल के खिलाफ यौन उत्पीड़न, शादी का झांसा देकर बलात्कार और जबरन गर्भपात का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज किया है।

शुरूआत में नेदुमनगड वलियामाला पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई एफआईआर को बाद में नेमोम पुलिस स्टेशन स्थानांतरित कर दिया गया क्योंकि कथित घटनाएं उसके अधिकार क्षेत्र में हुई थीं। यह मामला भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की आठ गैर-जमानती धाराओं के तहत दर्ज किया गया है, जिनमें बलात्कार के लिए धारा 64, एक ही महिला के साथ बार-बार बलात्कार करने के लिए धारा 64(2), विश्वासपात्र व्यक्ति द्वारा बलात्कार के लिए धारा 64(एफ), यह जानते हुए भी कि महिला गर्भवती है, उसके साथ बलात्कार के लिए धारा 64(एच) और एक ही महिला के साथ बार-बार बलात्कार के लिए धारा 64(एम) शामिल हैं।

इसमें महिला की सहमति के बिना गर्भपात कराने के लिए बीएनएस की धारा 89, आपराधिक विश्वासघात के लिए बीएनएस 316 और आपत्तिजनक डिजिटल सामग्री के प्रसारण से संबंधित सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 68(ई) भी शामिल है। इन अपराधों में कुल मिलाकर दस साल से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा हो सकती है। यह कार्रवाई पीड़िता द्वारा मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन को दी गई लिखित शिकायत के बाद की गई है। मुख्यमंत्री द्वारा याचिका को एडीजीपी एच. वेंकटेश को भेजे जाने के बाद, आगे की कार्रवाई तय करने के लिए पुलिस मुख्यालय में एक वरिष्ठ स्तरीय बैठक बुलाई गई। एफआईआर दर्ज होने के बाद, पुलिस ने विधायक की गिरफ्तारी की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

राहुल गांधी बोले- विदेशी नेताओं को हमसे नहीं मिलने देती सरकार

नई दिल्ली, 04 दिसम्बर। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दावा किया है कि मोदी सरकार विदेशी मेहमानों को विपक्षी नेता से मिलने से रोक रही है क्योंकि वह खुद को असुरक्षित महसूस करती है। उन्होंने यह भी कहा कि जब कोई विशिष्ट विदेशी मेहमान भारत आता है या वह विदेश जाते हैं तो सरकार की तरफ से कहा जाता है कि उनसे (राहुल से) मुलाकात नहीं होनी चाहिए। कांग्रेस नेता ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे से कुछ घंटे पहले यह दावा किया।

इस बीच, विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि किसी भी आधिकारिक विदेशी दौरे के दौरान मंत्रालय की जिम्मेदारी केवल सरकारी अधिकारियों और निर्धारित सरकारी संस्थाओं के साथ मुलाकातों को सुगम बनाना होती है। मंत्रालय ने कहा कि सरकारी ढांचे से बाहर होने वाली किसी भी बैठक या कार्यक्रम का आयोजन पूरी तरह उस विदेशी प्रतिनिधिमंडल के विवेक पर निर्भर करता है।

सरकारी सूत्रों ने यह भी बताया कि 9 जून 2024 को राहुल गांधी के विपक्ष के नेता का पद संभालने के बाद से कई प्रमुख अंतरराष्ट्रीय नेता उनसे मुलाकात कर चुके हैं। इनमें 10 जून 2024 को बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना, 21 अगस्त 2024 को मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवार इब्राहिम, 8 मार्च 2025 को न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन और 16 सितंबर 2025 को मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम शामिल हैं।

सूत्रों के अनुसार, इन सभी मुलाकातों का कार्यक्रम संबंधित विदेशी प्रतिनिधिमंडलों ने स्वयं तय किया था और इन्हें सरकार के आधिकारिक प्रोटोकॉल का हिस्सा नहीं माना जाता। मंत्रालय ने दोहराया कि भारत आने वाले किसी भी उच्चस्तरीय अतिथि को केवल सरकारी स्तर की बैठकों के लिए ही टएअ सहायता उपलब्ध कराता है, जबकि अन्य राजनीतिक या व्यक्तिगत संपर्क उन अतिथियों की स्वतंत्र पहल होती है।

जहां तक राहुल गांधी के बयान की बात है तो आपको बता दें कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, आमतौर पर यह परंपरा रही है कि जो विदेशी मेहमान भारत आते हैं उनकी नेता प्रतिपक्ष से मुलाकात होती है। यह अटल बिहारी वाजपेयी जी के समय होता था और मनमोहन सिंह जी के समय भी होता था। आजकल यह होता है कि जब बाहर से कोई आता है या मैं कहीं बाहर जाता हूं तो सरकार सुझाव देती है कि बाहर से आने वाले अतिथि या उनके (राहुल के) बाहर जाने पर वहां के लोग नेता प्रतिपक्ष से नहीं मिलें। उनका कहना था कि सरकार यह हर बार करती है। राहुल गांधी ने कहा, हिंदुस्तान का प्रतिनिधित्व हम भी करते हैं, सिर्फ सरकार नहीं करती है। सरकार नहीं चाहती कि विपक्ष के लोग बाहर के लोगों से मिलें। उन्होंने दावा किया, यह परंपरा है, लेकिन मोदी जी इसका पालन नहीं कर रहे हैं, विदेश मंत्रालय पालन नहीं कर रहा है। यह उनकी असुरक्षा की भावना है।

राहुल गांधी के बयान पर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने दावा किया कि यह सरकार असुरक्षा का भाव रखती है। उन्होंने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, एक प्रोटोकॉल होता है। आने वाले सभी बड़े लोग नेता प्रतिपक्ष से मिलते हैं। सरकार प्रोटोकॉल को तोड़ रही है और उनकी सारी नीतियां इसी पर आधारित हैं। वे नहीं चाहते कि कोई दूसरी आवाज उठे। वे किसी और की राय नहीं सुनना चाहते। उन्हें लोकतंत्र में प्रोटोकॉल का पालन करना चाहिए। एक सवाल के जवाब में प्रियंका गांधी ने कहा, भगवान जाने, उन्हें किस बात का डर है... लोकतंत्र में हर किसी को अपनी राय रखने का हक होना चाहिए, चर्चा होनी चाहिए, और सही कदम उठाया जाना चाहिए... सरकार असुरक्षित महसूस करती है और यह फैसला उसी का नतीजा है। उन्होंने कहा कि इस तरह के फैसले से दुनिया में भारत के लोकतंत्र की छवि खराब हो रही है।

गैस चैंबर बना दिल्ली-एनसीआर: प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, 04 दिसम्बर। दिल्ली में बढ़ते हुए प्रदूषण के बीच विपक्ष का संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन जारी है। गुरुवार को विपक्षी दलों के सांसदों ने एक साथ आकर प्रदूषण के मुद्दे पर सरकार को घेरा। इस दौरान कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रधानमंत्री की कथित 'मौसम वाली टिप्पणी' पर तीखी प्रतिक्रिया दी है।

जब मीडिया ने प्रियंका गांधी से इस टिप्पणी को लेकर सवाल किया, तो उन्होंने पलटवार करते हुए कहा ₹किस मौसम का मजा लें? बाहर देखें न क्या स्थिति बनी हुई है। छोटे-छोटे बच्चे सांस नहीं ले पा रहे हैं। इनकी तरह बुजुर्ग लोग, जिनको दमा है... सांस नहीं ले पा रहे हैं।

प्रियंका गांधी ने चिंता जताई कि हर साल स्थिति बिगड़ती जा रही है, लेकिन ठोस एक्शन के बजाय सिर्फ बयानबाजी होती है। उन्होंने सरकार से तुरंत कार्रवाई करने की मांग करते हुए कहा, हम सबने बोला है कि सरकार एक्शन ले, हम सब साथ खड़े हैं। ये कोई राजनीतिक मामला नहीं है कि हम सब उंगलियां उठाएं एक दूसरे पर।

कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने भी राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण की भयानक स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने संसद परिसर में विपक्षी सांसदों के साथ प्रदर्शन करते हुए कहा कि इस संकट से निपटने के लिए कुछ करना सरकार की ज़िम्मेदारी है।

सरकार की ज़िम्मेदारी बनती है कि वह कुछ करे। दमा से पीड़ित छोटे-छोटे बच्चे सांस नहीं ले पा रहे हैं, मेरे जैसे बहुत सारे बुजुर्ग हैं, उनके लिए भी मुश्किल है।₹ सोनिया गांधी ने संसद के शीतकालीन सत्र में इस गंभीर विषय पर तुरंत चर्चा की मांग भी की।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए सम्पर्क करे: 9199355950

पड़ोसियों के परेशान करने पर इंजीनियर ने की आत्महत्या

बेंगलुरु। बेंगलुरु के नल्लूरहल्ली में दो पड़ोसियों द्वारा कथित तौर पर पैसे मांगने तथा परेशान किये जाने के कारण एक इंजीनियर ने निमार्णाधीन इमारत में आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि इस संबंध में लक्ष्मी गोविंदराजू ने बुधवार को शिकायत दर्ज कराई, जिसमें उन्होंने कहा कि उषा नांबियार और शशि नांबियार ने बार-बार उनके बेटे मुरली से संपर्क करके कथित तौर पर संपत्ति विवाद को लेकर 20 लाख रुपये की मांग की।उन्होंने बताया कि मुरली, वर्ष 2018 में खरीदी गई भूमि पर एक घर बना रहे थे।

संचार साथी ऐप: अपेक्षा है निजता बनाम सुरक्षा के बीच संतुलन की

-ललित गर्ग

भारत की लोकतांत्रिक राजनीति में एक विचित्र प्रवृत्ति विकसित होती दिख रही है, जहाँ सत्ता द्वारा उठाए गए प्रत्येक कदम को विपक्ष संदेह की दृष्टि से देखता है। संचार साथी ऐप को लेकर इन दिनों इसी प्रकार का विवाद एवं विरोध का वातावरण बना हुआ है। केंद्र सरकार की यह सोच कि हर नए स्मार्टफोन में इस ऐप को अनिवार्य किया जाए, विपक्ष ने इसे निजता एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता का उल्लंघन बताते हुए कठोर शब्दों में चुनौती दी और संसद के शीतकालीन सत्र में इसे बड़ा मुद्दा बना दिया है और इससे व्यक्ति के जीवन में सरकारी हस्तक्षेप बढने की आशंकाएं व्यक्त की है। विपक्ष ने इसे संवैधानिक अधिकारों का अतिक्रमण व नागरिकों की निगरानी करने वाला टूल बताया। इस बहस के बीच विपक्ष को नया मुद्दा मिलते देख केंद्र सरकार ने अनिवार्य तौर पर ऐप प्री-इंस्टॉल करने का अपना फैसला वापस ले लिया। सरकार ने स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए फिलहाल इसे स्वैच्छिक बना दिया है अर्थात जो चाहे ऐप को रखे, जो चाहे उसे हटाए। परंतु इस विवाद ने एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठा दिया है कि क्या हम केवल विरोध की राजनीति में वास्तविक चुनौतियों और आवश्यकताओं को भुला रहे हैं?

वास्तविकता यह है कि डिजिटल युग आज अवसरों के साथ-साथ अभूतपूर्व संकटों का भी युग है। साइबर अपराध, चोरी, जासूसी, डेटा हेरफेर, गलत सूचना, आतंकवादी नेटवर्किंग-इन सबने सुरक्षा की चुनौतियों का नया स्वरूप निर्मित किया है। संयुक्त राष्ट्र तक यह स्वीकार कर चुका है कि अगला विश्वयुद्ध यदि हुआ, तो वह साइबर मोर्चे पर भी लड़ा जाएगा। ऐसे समय में क्या किसी राष्ट्र की सरकार को निष्क्रिय खड़ा रहना चाहिए? निश्चित रूप से नहीं। इसलिए संचार साथी ऐप मात्र निगरानी का यंत्र नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, नागरिक संरक्षण एवं डिजिटल अपराध नियंत्रण की रणनीतिक आवश्यकता के रूप में उभरा है। सरकार का सही कहना था कि डिजिटल होती दुनिया में लगातार बढ़ते साइबर अपराधों से नागरिकों को सुरक्षा देने के मकसद से यह पहल की गई थी। उसका कहना था कि लगातार जटिल होते साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये ऐसी पहल अपरिहार्य है।

विपक्ष का विरोध इसलिए भी एकांगी है क्योंकि केवल यह निजता के सवाल पर केंद्रित है। परंतु निजता का अधिकार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 में निहित, पूर्ण स्वतंत्र नहीं, बल्कि परिस्थितिनिष्ठ है। लोकतंत्र व्यक्ति को अधिकार देता है, साथ ही साझा सुरक्षा की जिम्मेदारी भी मांगता है। जब डिजिटल मंचों पर राष्ट्रीय अखंडता, आर्थिक व्यवस्था, सामरिक रहस्य और सामाजिक शांति पर संकट मंडराते हों, तो सरकार को हस्तक्षेप करना नैतिक रूप से उचित ही नहीं, बल्कि आवश्यक हो जाता है। अमेरिका, चीन, जर्मनी, ब्रिटेन-सभी देशों के पास निगरानी आधारित साइबर सुरक्षा प्रणालियाँ हैं। क्या उनकी लोकतांत्रिक संरचनाएँ इस कारण क्षीण हो गईं? नहीं, क्योंकि निगरानी और सुरक्षा के बीच संतुलन स्थापित किया गया। भारत को भी इसी संतुलन की आवश्यकता है। यह सही है कि किसी भी डिजिटल ऐप में निगरानी का वहनीय स्वरूप रखना चाहिए, जिससे नागरिक की व्यक्तिगत जिंदगी पर अनावश्यक हस्तक्षेप न हो। सरकार ने भी यही स्पष्ट किया है कि संचार साथी नागरिक के निजी जीवन में दखल नहीं देना चाहता, बल्कि उसे साइबर अपराध, हैकिंग, धोखाधड़ी, फजीर्वाड़ा, एवं डिजिटल आतंकवाद से बचाने हेतु काम करेगा। विडंबना यह है कि विपक्ष इस ऐप को ह्यनिष्ठा परीक्षणह्ल, ह्यमनोवैज्ञानिक निगरानीह्ल और ह्यगोपनीयता हननह्ल का उपकरण बताकर भय पैदा कर रहा है, जबकि पूर्व में स्वयं उनकी सरकारें समान तंत्र विकसित कर चुकी हैं, चाहे वह आधार डेटा सुरक्षा हो, सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल हों या राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों के निगरानी प्रोटोकॉल।

सवाल यह है कि यदि अपराधी, आतंकवादी, अलगाववादी, साइबर गैंग्स संगठित डिजिटल हथियारों का उपयोग कर रहे हैं, तो क्या सामान्य नागरिकों को असुरक्षित छोड़ दिया जाए? क्या यह लोकतंत्र का तकाजा है कि सरकार देखती रहे और समाज अपराध की प्रयोगशाला बन जाए? वास्तव में यह संकट केवल भारत का नहीं, विश्व का है। आज की दुनिया में जो राष्ट्र डिजिटल नियंत्रण तंत्र विकसित नहीं करता, उसकी सुरक्षा दीवारें कागज की नाव जैसी सिद्ध होती हैं। इसलिए यह कहना कि संचार साथी ऐप अनावश्यक या दमनकारी है, वस्तुस्थिति से आंखें मूंद लेने जैसा है। निश्चित रूप से एक सवाल उठता है, क्या ऐप डेटा सुरक्षा की गारंटी देगा? यह बेहद महत्वपूर्ण प्रश्न है। सरकार को इस ऐप के उद्देश्य और डाटा संचालन नीति को पारदर्शी रूप में सार्वजनिक करना चाहिए। यदि इस पर स्वतंत्र ऑडिट हो, निजता सुरक्षा प्रावधान हों, दुरुपयोग को रोकने वाली न्यायिक निगरानी हो तो विरोध स्वतः समाप्त हो जाएगा। परंतु विपक्ष का विरोध नीतिगत सुधारों की दिशा में न होकर केवल राजनीतिक अवसरवाद प्रतीत होता है। यह भी सही है कि नागरिकों की चिंताएँ निराधार नहीं, भारत में डेटा सुरक्षा कानून अभी भी परिपक्व नहीं है, डिजिटल संरचनाएँ जवाबदेही की दृष्टि से मजबूत नहीं हैं। अतः संचार साथी के विकास के साथ-साथ देश में निजता सुरक्षा कानूनों को और अधिक कठोर, दंडात्मक एवं न्यायिक रूप से संरक्षित बनाने की आवश्यकता है।

यदि इस ऐप के कार्यों पर दृष्टि डालें तो उसके पीछे सोच यह है कि मोबाइल संचार के माध्यम से होने वाले अपराधों की पहचान, रिपोर्टिंग और ट्रैकिंग को व्यवस्थित किया जा सके। यह व्यक्ति की निगरानी का उपकरण कम और अपराध नियंत्रण की प्रणाली अधिक है। भारत में साइबर अपराधों में प्रति वर्ष 63 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की जा रही है, लाखों लोग ऑनलाइन धोखाधड़ी के शिकार बन रहे हैं, बैंकिंग ठगी से लेकर सोशल मीडिया मनोवैज्ञानिक अपराधों तक का दायरा बढ़ रहा है। क्या सरकार की चुप्पी इन अपराधियों को खुला मैदान नहीं दे देती? इसलिए संचार साथी जैसे कदमों का उद्देश्य नागरिक सुरक्षा का विस्तार है, न कि लोकतांत्रिक स्वतंत्रता का संकुचन।

कठोर सत्य यह है कि राष्ट्र केवल अधिकारों पर आधारित नहीं होते, जिम्मेदारियों और सुरक्षा तंत्रों पर भी टिके होते हैं। एक नागरिक के रूप में हम यह अपेक्षा करते हैं कि हमारा डेटा सुरक्षित हो, हमारा पैसा सुरक्षित हो, हमारा देश सुरक्षित हो परंतु जब सुरक्षा के लिए कदम उठाया जाए, तो हम विरोध में खड़े हो जाते हैं। यह राजनीतिक अधिक है, जहाँ हम एक विश्वव्यापी सिद्धांत को भूल जाते हैं कि ह्लस्वतंत्रता जिम्मेदारी के साथ ही टिक सकती है।ह्व इसलिए संचार साथी ऐप पर संतुलित दृष्टि ही सार्थक है। सरकार को उसकी संरचना पारदर्शी, उत्तरदायी और कानून नियंत्रित रखनी चाहिए, और विपक्ष को इस तथ्य को स्वीकार करना चाहिए कि डिजिटल भारत की सुरक्षा चुनौतियाँ केवल नारे से हल नहीं होंगी, बल्कि तकनीकी सुरक्षा तंत्रों से ही नियंत्रण संभव होगा। लोकतंत्र में आलोचना आवश्यक है, परंतु रचनात्मक आलोचना, जिसमें सुधार की मांग होती है, न कि केवल अस्वीकरण। यदि राजनीतिक वर्ग इस बहस को इसी दिशा में ले जाए, तो संचार साथी ऐप न केवल विवादित विषय रहेगा बल्कि डिजिटल सुरक्षा के लिए नागरिक-हितकारी उपकरण के रूप में स्थापित भी होगा।

निस्संदेह, आज के डिजिटल युग में व्यक्ति का डेटा बेहद महत्वपूर्ण है। जिसकी हर कीमत पर सुरक्षा की जानी चाहिए। वहीं इसके साथ ही इस बात की भी पड़ताल होनी चाहिए कि कहीं कुछ अन्य ऐप हमारे डेटा में तो सेंध नहीं लगा रहे हैं? सरकार को इससे उपभोक्ता की सुरक्षा करनी होगी। वहीं तर्क दिया जा रहा है कि संचार साथी ऐप को अनिवार्य करने के बजाय आम लोगों को नई तकनीक और इसके इस्तेमाल के लिये सतर्क करने को देशव्यापी जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए। साथ ही इसके लिये आम जनता को प्रशिक्षण भी दिया जाना चाहिए। जिससे तकनीक के जरिये साइबर अपराधियों पर अंकुश लगाने की मुहिम को गति दी जा सके। अंततः यह समझना होगा कि राष्ट्रीय सुरक्षा और निजता-दोनों अनिवार्य हैं। चुनौती इन्हें संतुलित करने की है, न कि किसी एक को दूसरे के विरुद्ध खड़ा करने की। यदि यह संतुलन नीति, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ बने, तो संचार साथी ऐप देश के डिजिटल भविष्य की सुरक्षा का सेतु बन सकता है। विरोध की राजनीति नहीं, समझ और समाधान की राजनीति आज की आवश्यकता है, यही इस ऐप की वास्तविकता और उपयोगिता को समझने की दिशा है।

वैदिक परंपरा का नया स्वर्णिम उषाकाल

-सुरेश गांधी

वाराणसी की सकरी गलियों से उठता एक स्वर इन दिनों पूरे देश को मंत्रमुग्ध कर रहा है, वह स्वर 19 वर्षीय देवव्रत रेखे का है। वेदों की ऋचाओं में डूबा यह युवा, जिसकी आंखों में तप का तेज और वाणी में मंत्रों का कंपित स्पंदन है, आज उस पुर्नजागरण का केंद्र बन गया है जिसकी प्रतीक्षा भारत सदियों से करता आया है। सोशल मीडिया से लेकर सड़कों तक, मंत्रोच्चारण से लेकर शोभायात्रा तक, हर जगह देवव्रत का नाम, उनके स्वर की आभा और उनके संकल्प की सुगंध फैल चुकी है। उनकी 50 दिनों की कठिन ह्यलगन-साधनाह्ल, प्रतिदिन 1800 जप, ब्रह्ममुहूर्त की तप-प्रक्रिया, और जन्म-लग्न आधारित मंत्रों की अद्भुत साधना ने उन्हें सिर्फ एक वैदिक अद्वितीयता ही नहीं, बल्कि आधुनिक पीढ़ी के लिए प्रेरणा बना दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आशीर्वाद संदेशों ने इस युवा को साधना के मार्ग से राष्ट्रीय पहचान तक पहुँचा दिया। सम्मान समारोह में जुटी हजारों की भीड़, फूलों की बारिश और संपूर्ण वैदिक वातावरण ने बता दिया कि सनातन की अग्नि अभी बुझी नहींकृ वह और तेज हो उठी है। देवव्रत रेखे अब केवल एक युवा नहीं,

भारत की सभ्यता में कई बार ऐसे क्षण आते हैं जब भविष्य और अतीत एक-दूसरे को स्पर्श करते प्रतीत होते हैं। ऐसे क्षण कभी किसी क्रांतिकारी के उदय से जन्म लेते हैं, कभी किसी तपस्वी से, कभी किसी मनीषी से, और कभीकृ बहुत दुर्लभ अवसरों पर, किसी युवा बाल-ऋषि से। आज 19 वर्षीय देवव्रत रेखे उसी दुर्लभ परंपरा के वाहक बनकर सामने आए हैं। जिनकी शोभायात्रा में हजारों लोगों की सहभागिता, जिनके सम्मान में सोने का कंगन और 1,11,116 रुपये का अभिनंदन, जिनके मंत्रोच्चारण पर विद्वानों की प्रशंसा, जिनके 50 दिनों के कठिन लगन-साधना ने लोगों को चमत्कृत किया, और जिनके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आशीर्वाद संदेश भेजा, यह सब महज किसी अनुष्ठान की जानकारी नहीं, बल्कि युवा भारत में सांस्कृतिक जागरण की एक नई कहानी है। लेकिन यह कहानी अचानक नहीं जन्मी। इसके पीछे है अनुशासन, त्याग, साधना, श्रम, मनोबल और विलक्षण आध्यात्मिक परिपक्वता। और सबसे अधिककृ वह संस्कार जो आधुनिक पीढ़ी में प्रायः लुप्त होते जा रहे हैं।

देवव्रत रेखे किसी खानदानी वैदिक परंपरा से नहीं आते। उनका परिवार साधारण है, न कोई विशाल आश्रम, न कोई राजनीतिक पृष्ठभूमि, न कोई संस्थागत शक्ति। लेकिन संस्कार, श्रम और प्रतिभा, ये तीनों गुण उनमें बचपन से ही स्पष्ट दिखाई देते थे। गुरुजनों के अनुसार, उनका स्वर-उच्चारण असाधारण था, स्मरण-शक्ति चमत्कारिक और अनुशासन बाल्यकाल से ही गहरे पैबस्त. कम उम्र में ही उन्होंने वेदाध्ययन का मार्ग चुना और प्रतिदिन 8 से 10 घंटे के अभ्यास ने उन्हें उच्च कोटि की साधना की ओर अग्रसर किया. यही वह बिंदु था, जहाँ यह स्पष्ट हुआ कि यह लड़का साधारण नहीं, संस्कृति का वाहक बनने का सामर्थ्य रखता है। आज जिस युवा के मंत्र-उच्चारण के वीडियो सोशल मीडिया पर लाखों बार देखे जा रहे हैं, वह स्वर एक दिन में नहीं बना। इसके पीछे है 50 दिनों की वह कठिन अनुशासन-यात्रा जिसकी चर्चा आज देशभर में हो रही है। 1. ब्रह्ममुहूर्त तपः प्रतिदिन 3:45 बजे जागरण, अघमर्षण सूक्त, शिव संकल्प सूक्त और 1 घंटे का गायत्री तपजप, नियमित शुचिता, मौन और ध्यान-स्थिरता. 2. जन्म-लग्न आधारित मंत्र, प्रतिदिन 1800 जप, देवव्रत मेष लग्न के होने के कारण उन्हें दिया गया मंत्र, ॐ ह्रां ह्रीं ह्रूं ध्रुवाय नमः इस मंत्र का उद्देश्य है, चेतना की स्थिरता, संकल्पशक्ति की स्थिरता, अहंकार-शमन, आत्म-ऊर्जा का संकेंद्रण. यह मंत्र साधारण लोगों को कम ज्ञात है, परन्तु इसके प्रभाव गहरे हैं। 3. शारीरिक तपः हर पाँचवें दिन सूर्योदय तक निराहार, हर दसवें दिन पूर्ण मौन, शंख-प्रवाह श्वसन और ओंकार-रीयलाइमेंट, इस तप ने उनकी आवाज में स्थिरता, स्वरित में गहराई और वाणी में वह कंपन-चेतना पैदा की, जिसे सुनकर श्रोता मौन हो जाते हैं।

सम्मान समारोह में दिखी भव्यता किसी आयोजन की सफलता नहीं, जन-मन की प्रतिक्रिया थी। फूलों की वर्षा, बटूकों की पंक्ति, वैदिक ऋचाओं की गूँज, रथ पर विराजमान देवव्रत और हजारों लोगों की भीड़. शोभायात्रा किसी स्टेज इवेंट का दृश्य नहीं लग रही थी, यह संस्कृति की सामूहिक चेतना का उत्थान था। लोग यह देखकर आश्वस्त थे कि आधुनिक भारत की भीड़ सिर्फ फिल्मों, राजनीति और खेल में ही नहीं, वेद, संस्कार और अध्यात्म में भी अपना नायक खोज सकती है। यह दृश्य इसलिए महत्वपूर्ण था क्योंकि यह कहा जा रहा है कि आधुनिक युवाओं को धर्म-अनुष्ठान से दूरी है। देवव्रत ने यह मिथक तोड़ दिया। प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी द्वारा देवव्रत के लिए आशीर्वाद संदेश भेजा जाना बहुत बड़ा संकेत है। किसी एक युवा का सम्मान नहीं, यह उस दिशा का संकेत है, जिसमें भारत आगे बढ़ रहा हैः आध्यात्मिक चेतना का पुनरुत्थान, सनातन संस्कृति की युवा पीढ़ी में पुनर्स्थापना, राष्ट्रीय चरित्र निर्माण, वेद - विज्ञान के आधुनिक संदर्भ में पुनर्पाठ. प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री दोनों की व्यक्तिगत रुचि संस्कृति में है। इसलिए देवव्रत के प्रति भेजा गया संदेश उनके व्यक्तिगत सम्मान से कहीं अधिककृ एक राष्ट्रीय संदेश है कि देश अब फिर से अपनी सांस्कृतिक जड़ों को पहचान रहा है।

बड़ा सवाल तो यह है, क्यों देवव्रत रेखे एक आइकन बनते जा रहे हैं? जवाब है वे साधारण नहीं, साधना आधारित हैं. आज के समय में लोकप्रियता अक्सर बिना श्रम के मिलती है। देवव्रत उन दुर्लभ युवाओं में हैं जिनकी प्रसिद्धि उनके तप, अध्ययन और अनुभव से उपजी है। वे आधुनिकता और परंपरा दोनों में विश्वास रखते हैं. वे स्मार्टफोन भी चलाते हैं, परंतु उसका प्रयोग केवल ग्रंथों का अध्ययन, मंत्रों की रिकॉर्डिंग और शोध के लिए करते हैं। उनकी वाणी में मात्र ध्वनि नहीं, ऊर्जा है. उनका मंत्र-उच्चारण वैज्ञानिक स्वर-सिद्धि पर आधारित है। विद्वानों के अनुसार, देवव्रत की आवाज में कंपन है, स्पंदन है, और चेतना को छू लेने वाली ध्वनि है। वे ज्ञान को प्रदर्शन नहीं, समर्पण मानते हैं. उनके शब्दों में, साधना जितनी बढ़े, उतना सिर और झुकना चाहिए। देवव्रत का उदय एक संदेश है, सनातन कोई बीती हुई चीज नहीं, बल्कि जीवंत शक्ति है। आज की पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़ने की आवश्यकता है, और यह तभी संभव है जब उनमें प्रेरणा देने वाले युवा आदर्श हों। देवव्रत का व्यक्तित्व उसी आदर्श की पहली सीढ़ी है। उनके तीन बड़े लक्ष्य हैं, 1. युवा वेद गुरुकुल मॉडलः जहाँ भारत की नई पीढ़ी, विज्ञान, संस्कृत, वेद, समाजशास्त्र, नैतिक शिक्षा को एकीकृत रूप में पढ़े। बच्चों के लिए सरल वैदिक मंत्र कार्यक्रम, आज बच्चों में ध्यान की कमी, स्मरणशक्ति का अभाव, मोबाइल की लत, और मानसिक दबाव बढ़ रहा है। देवव्रत ऐसे मंत्र और अभ्यास तैयार कर रहे हैं जो बच्चों के लिए सरल हों, 1 मिनट के 3 मिनट के और 5 मिनट के अनुष्ठान। उनका मानना है धर्म का अर्थ पूजा नहीं, कर्तव्य है। धर्म का अर्थ कर्म है। धर्म का अर्थ राष्ट्र है।

देवव्रत के वायरल वीडियो पर लोगों की प्रतिक्रियाएं बताती हैं कि समाज आज भी संस्कृति को संजोना चाहता है। एक बुजुर्ग महिला ने कहा, बेटा, तूने हमारी परंपरा को बचा लिया। एक युवा ने लिखा, यह 19 साल का लड़का नहीं, सनातन का पुनर्जागरण है। एक शिक्षक का संदेश था, हम पहली बार किसी ऐसे युवा को देख रहे हैं जो साधना का अर्थ समझता है। ये प्रतिक्रियाएँ सिर्फ प्रशंसा नहीं, समाज की उदासी, भटकाव और खोई परंपरा की पुनः खोज का बयान हैं। देवव्रत के माध्यम से यह स्पष्ट हुआ है कि भारत केवल आर्थिक महाशक्ति नहीं, केवल डिजिटल महाशक्ति नहीं, केवल सैन्य शक्ति नहीं, भारत सांस्कृतिक शक्ति है और जब संस्कृति जागती है, राष्ट्र की आत्मा जाग उठती है। और यही कारण है कि इस युवा के उदय को सामान्य घटना नहीं माना जा सकता। 19 वर्ष की आयु में जहाँ सामान्य युवा मोबाइल, करियर, मनोरंजन और दिखावे में उलझे होते हैं, वहीं देवव्रत ने तप, संस्कृति और राष्ट्र को अपना मार्ग चुना। उनके 50 दिनों की कठिन साधना, लगन-मंत्र, संयमित जीवन, विनम्रता और विद्वत्ता ने उन्हें न केवल लोकप्रिय बनाया, बल्कि एक राष्ट्रीय आध्यात्मिक प्रतीक के रूप में स्थापित किया है। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का आशीर्वाद, लाखों लोगों का प्रेम, सोशल मीडिया की व्यापक प्रतिक्रिया और समाज का अटूट विश्वास. यह सब मिलकर सिर्फ देवव्रत रेखे की नहीं, बल्कि सनातन भारत की नई कहानी लिख रहे हैं। यह कहानी बताती है कि जब युवा संस्कृति संभाल लेते हैं, तब राष्ट्र स्वर्णिम युग में प्रवेश करता है। देवव्रत रेखे उसी स्वर्णिम युग के प्रथम दीप की तरह हैं, जो उजाला फैला रहा है, दिशा बता रहा है, और लोगों के दिलों में विश्वास जगा रहा है कि भारत सिर्फ जगा नहीं है, उठ खड़ा हुआ है।

2026 में ममता को छोड़ मुस्लिम मुख्यमंत्री चाहते हैं मुसलमान

स्वदेश कुमार

पश्चिम बंगाल में राजनीतिक परिदृश्य में लगातार बदलाव देखने को मिल रहे हैं, जहां 100 से अधिक विधानसभा सीटों पर मुस्लिम वोट निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं। यह वोट बैंक अब किसी एक नेता या पार्टी की गुलामी करने के बजाय अपनी शर्तें पेश कर रहा है और अपने हितों के अनुसार चुनाव लड़ने-हरने का निर्णय ले रहा है। पिछले कुछ समय से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस के भीतर भी इस मतदाता वर्ग के कारण उथल-पुथल चल रही है। ममता बनर्जी खुद हमेशा मुस्लिम वोटरों के पक्ष में मजबूत रुख रखती आई हैं, लेकिन हाल में जब उन्होंने वक्फ कानून को लेकर अपनी सहमति दी, तब उनके खुद के मुस्लिम नेता और मंत्री इसका विरोध करने लगे। इसने तृणमूल कांग्रेस के भीतर गहरे मतभेदों को उजागर किया है। मुस्लिम नेताओं की इस असंतोष की लहर ने ममता की राजनीतिक स्थिरता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कहा तो यह भी जा रहा है कि पश्चिम बंगाल के मुसलमान अब मुख्यमंत्री की कुर्सी पर किसी मुस्लिम चेहरे को देखना चाहते हैं जो उनकी बातों को आसानी से समझ सके। अगले वर्ष 2026 में पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव होने हैं। इसी को लेकर सीएम का सपना देख रहे कुछ मुस्लिम नेता अपनी इच्छाओं को परवान देने में लगे हैं।

इसी क्रम में एक और बड़ी घटना सामने आई है, जो तृणमूल कांग्रेस के लिए बड़ा झटका है। मुर्शिदाबाद जिले के विधायक हुमायूं कबीर, जो पार्टी के मुस्लिम चेहरों में से एक हैं और लंबे समय से बाबरी मस्जिद के पुनर्निर्माण के पक्षधर रहे, ने ममता बनर्जी और उनकी पार्टी को खुलेआम चुनौती दी है। हुमायूं कबीर ने 6 दिसंबर को मुर्शिदाबाद में नए बाबरी मस्जिद के उद्घाटन का ऐलान किया था, जिसे लेकर पार्टी ने आक्रामक रुख अख्तियार किया। तृणमूल कांग्रेस ने हुमायूं कबीर को पार्टी से सस्पेंड कर दिया है। पार्टी का कहना है कि वे पार्टी के अनुशासन का उल्लंघन कर रहे हैं और पार्टी की नीतियों के खिलाफ बयानबाजी कर रहे हैं। हालांकि, इसके बावजूद हुमायूं कबीर अपने फैसले पर अड़े हुए हैं और उन्होंने 22 दिसंबर को अपनी नई राजनीतिक पार्टी के गठन की भी घोषणा की है। यह कदम उनके राजनीतिक संघर्ष को और तीव्र कर सकता है।यह घटना पश्चिम बंगाल की राजनीति के उस परिदृश्य को दशार्ती है जहां मुस्लिम वोटर ही निर्णायक शक्ति के रूप में उभर रहे हैं। 100 से अधिक विधानसभा सीटों पर उनका प्रभाव इतना मजबूत है कि वे किसी भी पार्टी या नेता को जिताने-हारने में सक्षम हैं। इसका मतलब साफ है कि ममता बनर्जी जैसे बड़े नेता भी अब अकेले मुस्लिम वोट बैंक को नियंत्रित नहीं कर सकते।

ममता बनर्जी की पार्टी ने लंबे समय तक मुस्लिम वोटरों की नाराजगी को दूर रखने की कोशिश की है, लेकिन अब पार्टी के भीतर मुस्लिम नेताओं की असंतोष और अलगाव ने संकेत दिए हैं कि यह रणनीति अब कारगर नहीं रह गई है। हुमायूं कबीर की सस्पेंशन और उनकी नई पार्टी बनाने की योजना इस बदलाव का प्रमुख उदाहरण है। पश्चिम बंगाल की राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा तेज है कि मुस्लिम वोट बैंक की यह ताकत अब खुद एक राजनीतिक शक्ति के रूप में उभर रही है, जो न केवल ममता बनर्जी बल्कि अन्य राजनीतिक पार्टियों के लिए भी चुनौती बन सकती है। इसका सीधा असर आगामी चुनावों पर पड़ेगा और इससे राजनीतिक समीकरणों में बड़ा फेरबदल संभव है।

विशेषज्ञों का मानना है कि तृणमूल कांग्रेस को इस स्थिति को समझ कर मुस्लिम समुदाय के नेताओं के साथ बेहतर संवाद स्थापित करना होगा, अन्यथा वे अपनी पकड़ खो सकती है। वहीं, मुस्लिम मतदाता भी अब केवल जनादेश देने तक सीमित नहीं रहना चाहते, वे अपनी स्वयं की राजनीतिक आवाज उठाने के लिए संगठित हो रहे हैं। हुमायूं कबीर का नया राजनीतिक कदम बताता है कि मुस्लिम नेताओं के बीच भी अब स्पष्ट मतभेद सामने आ रहे हैं, जिन्हें न केवल तृणमूल बल्कि अन्य राजनीतिक दलों के लिए भी ध्यान में रखना होगा। यह स्थिति चुनिंदा नेताओं के लिए पहले जैसी सहूलियत नहीं छोड़ती। इस पूरे घटनाक्रम से यह साफ जाहिर होता है कि पश्चिम बंगाल में मुस्लिम वोट बैंक की राजनीतिक भूमिका पहले से कहीं अधिक निर्णायक होती जा रही है। उनकी राजनीतिक शक्ति अब खुलकर सामने आ रही है और इसका असर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की नीतियों और पार्टी के आंतरिक तालमेल पर स्पष्ट रूप से दिखने लगा है।

मध्यप्रदेश में सत्ता और संगठन का नया मॉडल

(पवन वर्मा-विभूति फीचर्स)

मध्यप्रदेश की राजनीति इन दिनों एक महत्वपूर्ण परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। सत्ता के शीर्ष पर बैठे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और संगठन की कमान संभाल रहे प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की जोड़ी ने एक ऐसा मॉडल विकसित किया है, जिसने पार्टी की कार्यप्रणाली और कार्यकर्ता-संगठन के संबंधों को बिल्कुल नए ढंग से परिभाषित किया है। दोनों नेताओं ने स्पष्ट कर दिया है कि भाजपा का मूल आधार कार्यकर्ता है, और यदि कार्यकर्ता मजबूत होगा तो सरकार भी मजबूत होगी और संगठन भी। इसी सोच को आधार बनाकर दोनों ने एक ऐसा प्रयोग शुरू किया है जिसने मध्यप्रदेश भाजपा की कार्यशैली को नया आयाम दिया है।

इस समय प्रदेश भाजपा कार्यालय में एक अभिनव व्यवस्था लागू की गई है, जिसके तहत हर दिन दो मंत्री पार्टी कार्यालय में बैठकर कार्यकताओं की समस्याएं सुनते हैं। यह मॉडल पहली नजर में सरल लग सकता है, लेकिन वास्तव में यह एक मौन क्रांति है। भारतीय राजनीति में मंत्री अधिकतर मंत्रालय और शासकीय बैठकों में व्यस्त रहते हैं, और कार्यकताओं को उनसे सीधी मुलाकात का अवसर बहुत कम मिलता है। कई बार कार्यकर्ता घंटों इंतजार करते हैं, डायरियों में नाम लिखाते हैं, कई स्तरों से अनुमति लेते हैं, तब कहीं जाकर किसी मंत्री तक अपनी समस्या पहुंचा पाते हैं। भाजपा के इस नए मॉडल ने इस दूरी को समाप्त कर दिया है। अब कार्यकर्ता सीधे भाजपा कार्यालय में निर्धारित समय पर मंत्री से मिल सकता है, अपनी परेशानी बता सकता है और समाधान का स्पष्ट रोडमैप प्राप्त कर सकता है।

यह व्यवस्था सत्ता और संगठन के बीच की उस खाई को कम कर रही है जो अक्सर लंबे समय तक सत्ता में रहने वाले दलों में दिखाई देती है। लेकिन मध्यप्रदेश में, मोहन-खंडेलवाल की जोड़ी ने नेतृत्व की चुस्ती, संवाद की निरंतरता और कार्यकर्ता सम्मान को केंद्र में रखकर उस दूरी को बहुत हद तक खत्म कर दिया है। इस प्रयोग का असर यह हुआ है कि कार्यकर्ता फिर से सक्रिय रूप से भोपाल पहुंचने लगे हैं। मंत्री भी इस बात को गंभीरता से ले रहे हैं कि उनकी उपस्थिति केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि समस्याओं के समाधान का माध्यम है। यदि कोई समस्या उनके विभाग से जुड़ी है तो वहीं तत्काल समाधान की प्रक्रिया शुरू हो जाती है। और यदि मामला दूसरे विभाग का है तो मंत्री स्वयं दूसरे विभाग के मंत्री को इसकी जानकारी देते हैं और कार्यकर्ता को यह भरोसा दिलाते हैं कि उसका काम आगे बढ़ेगा। यह भरोसा ही वह पूंजी है जिससे संगठन जीवंत रहता है।

इस मॉडल की सफलता का सबसे बड़ा कारण मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और हेमंत खंडेलवाल के बीच स्वाभाविक तालमेल है। दोनों ही नेताओं का फोकस स्पष्ट है कि कार्यकर्ता को सम्मान मिलना चाहिए, उसकी समस्याएं प्राथमिकता से सुनी जानी चाहिए, और उसे यह महसूस होना चाहिए कि वह पार्टी की संरचना में सबसे महत्वपूर्ण स्थान पर है। मुख्यमंत्री मोहन यादव अपनी स्पष्टवादिता, समयनिष्ठ प्रशासनिक शैली और निर्णायक नेतृत्व के लिए जाने जाते हैं। वहीं हेमंत खंडेलवाल का व्यक्तित्व संवाद, सहजता और व्यापक संगठनात्मक समझ के लिए पहचाना जाता है। दोनों के बीच यह संतुलन ही मध्यप्रदेश भाजपा की कार्यशैली को नई गति दे रहा है।

संपूर्ण राजनीतिक परिदृश्य में यह प्रयोग इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह सिर्फ किसी कार्यक्रम या कैंपेन का हिस्सा नहीं है, बल्कि यह भाजपा के शक्ति संतुलन मॉडल का व्यावहारिक, जीवंत और निरंतर स्वरूप है। ऐसी व्यवस्था में संगठन के नेताओं और सत्ता में बैठे मंत्रियों के बीच सीधा संवाद होता है, जो न केवल निर्णय प्रक्रिया को सरल करता है बल्कि कार्यकताओं को यह एहसास दिलाता है कि वे सरकार का अभिन्न हिस्सा हैं। यह वह मॉडल है जिसमें सत्ता और संगठन दोनों एक ही धुरी पर घूमते दिखाई देते हैं और वह धुरी है कार्यकर्ता का सम्मान एवं उसकी सक्रियता।

मध्यप्रदेश का राजनीतिक इतिहास बताता है कि भाजपा लंबे समय से सत्ता में है। ऐसे समय में संगठन का शिथिल पड़ना स्वाभाविक होता है। लेकिन इस बार होता इसके उलट दिखाई दे रहा है। यह नई प्रणाली भाजपा कार्यकताओं के भीतर एक तरह की ऊर्जा वापस ला रही है। जो कार्यकर्ता कुछ वर्षों से सक्रिय नहीं थे, वे भी अब भोपाल आने लगे हैं। वे समझ रहे हैं कि पार्टी कार्यालय में बैठा मंत्री उनकी बात सीधे सुन रहा है, उन्हें गंभीरता से ले रहा है, और सरकार उनकी कठिनाइयों पर काम करने को तैयार है। यह विश्वास नेतृत्व को और मजबूत बनाता है।

दूसरी ओर, इस मॉडल ने विपक्ष पर भी दबाव बढ़ा दिया है। कांग्रेस या अन्य विपक्षी दलों के लिए यह चुनौतीपूर्ण स्थिति है कि भाजपा न केवल सत्ता में मजबूत है, बल्कि संगठनात्मक स्तर पर भी बेहद सक्रिय और व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ रही है। ऐसा बहुत कम होता है जब सरकार अपने राजनीतिक ढांचे में कार्यकर्ता को केंद्र में रखकर रोजाना संवाद का ऐसा सीधा माध्यम बनाए। राजनीतिक विज्ञान की दृष्टि से देखें तो यह व्यवस्था लोकतांत्रिक संवाद का एक नया रूप है, जो प्रशासनिक जवाबदेही, संगठनात्मक मजबूती और राजनीतिक स्थिरता तीनों को एक साथ सुदृढ़ करता है।

यह भी उल्लेखनीय है कि इस मॉडल का एक प्रभाव प्रशासन पर भी पड़ रहा है। जब मंत्री रोज

वॉर्ड क्रमांक 86 में समस्याओं की भरमार: सरबजीत सिंह संधू

मुंबई (उत्तरशक्ति)। वार्ड क्रमांक 86 की जनता को स्थानीय नगरसेवक द्वारा विकास के नाम पर 15 वर्षों से धोखा दिया गया है और उनके हक व अधिकार के साथ खिलवाड़ किया गया है। उक्त आरोप प्रखर समाजसेवी, उत्तर पश्चिम जिला भाजपा के महामंत्री व सक्रिय सदस्य सरबजीत सिंह संधू ने जिला भाजपा सम्मेलन में लगाया। उन्होंने आगे कहा कि क्षेत्र की जनता पीने के पानी, जल निकासी , साफ सफाई व झोपड़पट्टी पुनर्वसन, सड़क, स्ट्रीट लाइट समेत अन्य मूलभूत सुविधाएं ना के बराबर है। संधू ने आगे कहा कि वार्ड 86 भाजपा की सीट है और मैं यही पिछला चुनाव लड़ा था जो मामूली अंतर से कांग्रेस पार्टी से हार गया है और शिवसेना यहां तीसरे नंबर पर थी। अर्थात यहां पर शिवसेना का कोई आधार नही है।

संधू ने जोर देते हुए कहा कि कोरोना काल में जॉन की बाजी लगाकर लोगों की सेवा की है। 15 हजार घरों में राशन कीट, 500 घरों में आरओ पानी फिल्टर, स्कूली बच्चों को स्कूल किट, 24 घण्टों एम्बुलेंस सेवा के साथ साथ मनपा, हॉस्पिटल व पुलिस स्टेशन में किसी भी मदत के लिए मैं हमेशा तैयार रहता हूँ। भाजपा पार्टी संगठन ने मुझे लोगों की तरह तरह से सेवा करने के लिए निर्देशित किया है और मैं कर रहा हूँ आगे जनसेवा करता रहूंगा। भगतसिंह विचार मंच के अध्यक्ष संधू ने कहा कि इस बार भी लोग हिंदुत्व के नाम पर ही वोट करेंगे। और पार्टी मुझे अवसर देगी तो मैं वार्ड 86 जीतकर भाजपा की झोली में अवश्य डाल दूंगा। अंत में सरबजीत सिंह ने कहा कि जनता अपने हितैषी को पहचानें और धोखेबाजी व झूठा भरोसा देने वालों से किनारा करें और वार्ड 86 के विकास में अपने मताधिकार के माध्यम से परिवर्तन लाते हुये विकास में यादगार सहयोग अवश्य प्रदान करें।

बांग्लादेशी महिला वेश्या के कब्जे से दो पीड़ित लड़कियों को छुड़ाया गया

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड में महिलाओं के विरुद्ध हिंसा निवारण विशेष बाल संरक्षण एवं देखभाल प्रकोष्ठ का प्रदर्शन 02/12/2025 को, महिला अत्याचार निवारण/विशेष बाल संरक्षण एवं देखभाल प्रकोष्ठ की वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक, शीतल मुंढे को उनके गोपनीय मुखबिर ने सूचना दी कि सुल्ताना नाम की एक बांग्लादेशी महिला अपने घर में वेश्यावृत्ति कर रही है और पुरुष वेश्याओं ने उसके मोबाइल फोन पर उससे संपर्क किया है। वह व्हाट्सएप के जरिए पुरुष वेश्याओं को लड़कियों की तस्वीरें भेजती है और पैसे के बदले वेश्यावृत्ति के लिए लड़कियां उपलब्ध कराती है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कानूनी मामलों को पूरा करने के बाद, गौरव वुड्स फेज -1, हाटकेश मीरा रोड (पूर्व) ताल। जिला। ठाणे के एक कमरे में छापा मारा गया। यह पाया गया कि एक महिला वेश्या सुल्ताना मोमोताज सय्यद, उम्र 39 वर्ष, गौरव वुड्स, फेज -1, बिल्डिंग नंबर 02, हाटकेश, मीरा रोड पूर्व ताल। जिला। ठाणे में रहती है, जो मूल रूप से बांग्लादेश की है, उसने दो पीड़ित लड़कियों को वेश्यावृत्ति में बहलाया और वेश्यावृत्ति की रकम तय की और अपनी आजीविका के लिए 12,000 रुपये की रकम स्वीकार की। महिला वेश्या सुल्ताना मोमोताज सय्यद को संपत्ति के साथ हिरासत में ले लिया गया, और दोनों पीड़ित लड़कियों को बचा लिया गया और संरक्षण के लिए रेस्क्यू फाउंडेशन, कांदिवली (पश्चिम), मुंबई में रखा गया। इस संबंध में, हिरासत में ली गई महिला वेश्या सुल्ताना मोमोताज सैयद, उम्र-39 वर्ष के खिलाफ सरकार की ओर से पोशी/घनश्याम खैरनार द्वारा दायर शिकायत पर मीरा रोड पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता 2023 की धारा 143 (3), 3 (5) के साथ अनैतिक तस्करी रोकथाम अधिनियम 1956 की धारा 3, 4, 5 के तहत 02/12/2025 को मामला दर्ज किया गया है। उक्त कार्रवाई मा, निकेत कौशिक, पुलिस आयुक्त, मा, संदीप डोईफोडे, पुलिस उपायुक्त (अपराध), मा, मदन बल्लाल, छठे पुलिस आयुक्त, (प्रकटीकरण) के मार्गदर्शन में पोनी/शीतल मुंढे, पौनीरी प्रकाश तुपलोंधे, पौनीरी संदीप शिंदे, सफी/राजाराम असवले, पोहवा/चेतनसिंह राजपूत, एम.पी.ओ. पोहावा/मांजरेकर, एम.पो. हवा./शीतल जाधव, पोशी ललित पाटिल, पोशी घनश्याम खैरनार, सभी नियुक्त-महिला अत्याचार निवारण प्रकोष्ठ विशेष बाल संरक्षण और देखभाल प्रकोष्ठ, एम.बी.आई.वी.वी., पुलिस आयुक्तालय के साथ-साथ एम.पोशी स्नेहल पुणे, नामांकित साइबर प्रकोष्ठ, अपराध शाखा, मीरा-भायंदर वसई-विरार द्वारा की गई।

फेडएक्स ने भारत के निर्यात कॉरिडोर को किया मजबूत

मुंबई। दुनिया की सबसे बड़ी एक्सप्रेस ट्रांसपोर्टेशन कंपनी, फेडरल एक्सप्रेस कॉरपोरेशन (फेडएक्स) ने बेंगलुरु में 60,000 वर्ग फुट में बने अपने इंटीग्रेटेड एयर हब के उद्घाटन के साथ भारत में अपनी उपस्थिति को और मजबूत किया है। यह नया हब केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट परिसर स्थित AI-SATS लॉजिस्टिक्स पार्क में स्थापित किया गया है। एयरपोर्ट द्वारा अपनी वार्षिक कार्गो क्षमता को बढ़ाकर 10 लाख मीट्रिक टन तक ले जाने की योजना के साथ यह सुविधा बेंगलुरु को एक प्रमुख निर्यात गेटवे के रूप में विकसित करती है और भारत में तेजी से बढ़ते मैन्यूफैक्चरिंग और व्यापार क्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुरूप है। यह नया हब क्षेत्र की लॉजिस्टिक्स क्षमताओं को एक नए स्तर तक ले जाता है। यह अंतरराष्ट्रीय आयात व निर्यात की एकीकृत प्रोसेसिंग, उन्नत ऑटोमेशन सिस्टम, मैकेनाइज्ड कन्वेयर नेटवर्क, टेलिस्कोपिक बेल्ट और नॉन-कॉन्टैक्ट डायमेंशनिंग के लिए हाई-स्पीड डीआईएम मशीन जैसी आधुनिक तकनीकों से सुसज्जित है। बॉन्डेड कस्टम्स एक्सेस और अप-कंट्री तथा सिटी-साइड कनेक्टिविटी के साथ यह सुविधा समय-संवेदनशील उद्योगों, हेल्थकेयर, फार्मास्यूटिकल, एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस रिपेयर एंड ओवरहॉलतथा मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्रों के लिए तेज, सुरक्षित और अधिक सुव्यवस्थित शिपमेंट प्रोसेसिंग सुनिश्चित करती है।

अमेजन करेगी भारत के एआई मिशन में सहयोग: सुगमता, उत्पादकता और डिजिटल समावेश को मिलेगी रफ्तार

मुंबई/पटना। अमेजन ने आज घोषणा की कि वह 2030 तक भारत के करोड़ों लोगों तक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को पहुंचाने की योजना बना रही है, जिससे भारत सरकार के एआई मिशन को सुलभता, उत्पादकता और डिजिटल समावेश बढ़ाने में मदद मिलेगी। कंपनी लोकल क्लाउड और एआई बुनियादी ढांचे में 12.7 अरब डॉलर का निवेश करने की दिशा में अग्रसर है और अपने विभिन्न व्यवसायों के जरिये 1.5 करोड़ से अधिक छोटे व्यवसायों तक एआई के लाभ पहुंचाएगी। अमेजन ने वर्ष 2030 तक सरकारी-विद्यालयों के 40 लाख छात्रों को एआई साक्षरता और करियर जागरूकता प्रदान करने का भी संकल्प लिया है। कंपनी अमेजन.इन पर करोड़ों ग्राहकों के लिए खरीदारी को और अधिक सरल तथा आकर्षक बनाने के लिए एआई का उपयोग जारी रखेगी।

अमेजन इंडिया के कंट्री मैनेजर, समीर कुमार ने कहा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) में भारत में समान अवसर प्रदान करने की क्षमता है। यह भाषा, साक्षरता और पहुंच की कमी जैसी सभी बाधाओं को दूर करता जिनकी वजह से लोग सामाजिक रूप से उपेक्षित रहे।

एमएसआरएलएम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी निलेश सागर का पालघर दौरा

महिला स्वयंसहायता समूहों को सशक्त बनाने पर दिया जोर

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। महाराष्ट्र राज्य ग्रामीण जीवनोन्नती अभियान (टरफ्छट) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी निलेश सागर ने गुरुवार को पालघर तहसील क्षेत्र का दौरा कर विभिन्न स्वयंसहायता समूहों व उद्यमशीलता उपक्रमों की कार्यप्रणाली का प्रत्यक्ष आढावा लिया। इस दौरान उन्होंने महिला सशक्तिकरण, स्वावलंबन व बाजार विस्तार पर विशेष मार्गदर्शन दिया।

दौरे की शुरूआत स्वामिनी उद्योग समूह के भ्रमण से हुई। निलेश सागर ने उत्पादन की गुणवत्ता, पैकेजिंग, ब्रांडिंग, बिक्री व्यवस्था तथा लाभ-हानि का तपशीलपूर्वक परीक्षण किया। उन्होंने उत्पादों की निरंतर आपूर्ति, स्थानीय व जिला स्तर पर बाजार विस्तार तथा महिलाओं की आर्थिक भागीदारी को और मजबूत करने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने इफ्छ/रश्एढ केंद्र का निरीक्षण कर उद्यमिता विकास से जुड़े प्रशिक्षण उपक्रमों के प्रभावी कार्यान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इच्छुक लाभार्थियों को कौशल प्रशिक्षण, आर्थिक सहायता, मार्केट लिंकिंग और सतत मार्गदर्शन उपलब्ध कराना अत्यंत आवश्यक है। वडराई के मछली विक्री उत्पादक समूह की भेट के दौरान सागर ने स्वच्छता, दैनिक बिक्री तंत्र, भंडारण क्षमता, परिवहन व्यवस्था और आय की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने व्यवसाय को अधिक टिकाऊ व लाभदायक बनाने हेतु आधुनिक सुविधाएं, स्वच्छ भंडारण, कोल्ड चेन और सीधे ग्राहकों तक पहुंच बढ़ाने के उपाय सुझाए। दोपहर बाद जिला परिषद हुतात्मा सभागृह में आयोजित जिला आढावा बैठक में विभिन्न योजनाओं की प्रगति, लक्ष्यपूर्ति, लाभार्थियों तक लाभ की पहुंच तथा महिलाओं के आर्थिक उत्थान हेतु चल रहे उपक्रमों पर विस्तृत चर्चा की गई और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गये। इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, अतिरिक्त उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे, जिला ग्रामीण विकास यंत्रणा के प्रकल्प संचालक डॉ. रूपाली सातपुते, गट विकास अधिकारी संजय भोये, सहायक गट विकास अधिकारी बापूराव नाले, डी.एम.एम. रवि बोबड़े सहित सभी तहसील मिशन मैनेजर, ब्लॉक मिशन मैनेजर व कम्युनिटी को-ऑर्डिनेटर उपस्थित रहे। महिला समूहों की प्रगति, रोजगारवृद्धि और आर्थिक स्वावलंबन को नई दिशा देने वाला यह दौरा अत्यंत प्रभावी और प्रेरणादायी साबित हुआ।

दादर आरपीएफ की सतर्कता से महिला यात्री का लाखों का पर्स सुरक्षित लौटा

चेतन निर्मल संवाददाता

मुंबई (उत्तरशक्ति)। दादर आरपीएफ ने अपनी सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से एक महिला यात्री का बहुमूल्य पर्स सुरक्षित वापस लौटाकर मिसाल पेश की है। झांसी से कल्याण आ रही पंजाब मेल में यात्रा कर रहीं कल्याण निवासी रेणुका श्रीवास्तव भीड़भाड़ में अपना पर्स एस-6 कोच की सीट संख्या 78 पर भूलकर उतर गई थीं। पर्स में लाखों के आभूषण, मोबाइल फोन और जरूरी दस्तावेज मौजूद थे। पर्स गायब होने का एहसास होते ही रेणुका ने तुरंत हेल्पलाइन 139 पर सूचना दी। शिकायत मिलते ही दादर आरपीएफ की टीम–उप-निरीक्षक वर्षा चंद्रवंशी, महिला आरक्षक सोनम यादव और रानी यादव–ने तत्काल तलाश शुरू कर पर्स को सुरक्षित बरामद कर लिया। बाद में पर्स कल्याण आरपीएफ पोस्ट पर रेणुका को सौंप दिया गया। आरपीएफ की इस त्वरित और ईमानदार कार्रवाई ने यात्रियों के बीच सुरक्षा और भरोसे को और मजबूत किया है।

ब्रेल क्रेडिट कार्ड के लांच के साथ पीएनबी ने मनाया अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस

मुंबई (उत्तरशक्ति)। सार्वजनिक क्षेत्र के अग्रणी बैंकों में से एक पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने समावेशी एवं समतामूलक समाज के निर्माण के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए अपने कारपोरेट कार्यालय नई दिल्ली में इस वर्ष की थीम सामाजिक प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए दिव्यांगता-समावेशी समाजों को बढ़ावा के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस मनाया।

यह कार्यक्रम पीएनबी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री अशोक चंद्र, मुख्य अतिथि अंतर्राष्ट्रीय पैरा-बैडमिंटन खिलाड़ी तथा पीएचडी स्कॉलर श्री मुन्ना खालिद, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री राघवेंद्र कुमार की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में बैंक के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम ने पीएनबी के ब्रेल क्रेडिट कार्ड जिसे दृष्टिबाधित ग्राहकों को अधिक सुगमता प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है, के अनावरण के साथ एक महत्वपूर्ण उपलब्धि को चिन्हित किया। बैंक ने 7वें दिल्ली राज्य खेलों के लिए 'डेफ स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ दिल्ली' को प्रायोजित भी किया तथा 'द न्यू लर्निंग हाइट्स स्पेशल स्कूल एंड रिमेडियल सेंटर' को सीएसआर सहायता प्रदान की, जिससे सशक्तिकरण और समावेशी विकास के प्रति उसकी निरंतर प्रतिबद्धता मजबूत हुई। पीएनबी ने विशेष रूप से सक्षम कर्मचारियों के अनुकरणीय योगदान की भी सराहना की।

सभा को संबोधित करते हुए, पीएनबी के एमडी एवं सीईओ श्री अशोक चंद्र ने दिव्यांगजनों द्वारा प्रदर्शित असाधारण क्षमता तथा दृढ़ संकल्प के बारे में उत्साहपूर्वक बात की। श्री मुन्ना खालिद, नेशनल मार्शल आर्ट्स चैंपियन अक्षय पटेल, और पर्वतारोही अरुणिमा सिन्हा जैसे व्यक्तियों की यात्राओं का उल्लेख करते हुए, उन्होंने इस बात पर बल दिया कि अपनी क्षमताओं में विश्वास अत्यंत कठिन बाधाओं को भी दूर करने में सहायता कर सकता है। उन्होंने आगे कहा कि, यह दिन हमें इस बात का बोध कराता है कि हमारे पास जो कुछ भी है वह उत्कृष्ट प्रदर्शन करने, योगदान देने और जीवन तथा समाज को और अधिक सुंदर बनाने के लिए पर्याप्त है। श्री चंद्र ने दिव्यांग कर्मचारियों को सहयोग देने के लिए पीएनबी द्वारा शुरू की गई कई पहलों पर भी प्रकाश डाला और बहरीन में होने वाली आगामी बीडब्ल्यूएफ पैरा बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप 2026 में श्री मुन्ना खालिद की भागीदारी को प्रायोजित करने की घोषणा की।

भिवंडी मनपा ने महिलाओं को स्वरोजगार व सक्षमीकरण के लिए एमसीईडी से किया अनुबंध

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी मनपा के प्रशासक व आयुक्त अनमोल सागर ने महिला सक्षमीकरण के लिए महाराष्ट्र उद्योजकता विकास केन्द्र के साथ करार कर महिलाओं के लिये स्वरोजगार का सुनहरा अवसर प्रदान किया है। बतादें कि इस करार में महिलाओं को कौशल्य विकास, लघु उद्योग, डिजीटल सक्षमीकरण के लिये फैशन/ज्वेलरी डिजाईन, ब्यूटिक व ब्यूटी एण्ड वेलनेस सेवा, फुड प्रोसेसिंग व पाककला उत्पादन, हस्त निर्मित साबुन, मोमबत्ती, नैपकिन, बुके व अरोमा उत्पादन, पावरलूम उद्योग आधारित कौशल्य विकास, लाजिस्टिक आपरेशन एण्ड डेटा इन्ट्री आदि रोजगार उपलब्ध कराया जायेगा। इस उपक्रम में शुरूआत में 21 वर्ष की 500 महिलाएँ को प्रथमतया प्रक्षिण दिया जायेगा। इसके लिए वंचित व अल्पसंख्यक समुदाय की महिलाओं पुनर्वसन की इच्छुक देह व्यवसाय से जुडी महिलाएं, शिक्षा छोड चुकी महिलाएँ, शिक्षण पूर्ण कर चुकी युवतियां इस उपक्रम में सहभागी होकर अपना खुद का व्यवसाय कर सकती हैं। इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त नयना ससाणे, उपायुक्त विक्रम दराडे, समाज कल्याण विभाग प्रमुख मिलिंद पलसुले, प्रदीप इंगले आदि लोग उपस्थित थे।

डिफाइनेज को मिला नया निवेश

मुंबई (उत्तरशक्ति)। नवीन ट्रेडिंग टूल्स और इन्वेस्टर-एजुकेशन इकोसिस्टम के लिए मशहूर पुणे स्थित फिनटेक और ब्रोकरेज कंपनी डिफाइनेज सिक्योरिटीज ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड (डिफाइनेज) ने अपनी पहली संस्थागत फंडिंग का पड़ाव सफलतापूर्वक पार कर लिया है।। इस निवेश का नेतृत्व उद्योग के दिग्गजों और एंजेल निवेशकों के एक प्रतिष्ठित समूह ने किया, जिनमें हेमंत लूथरा, अजय श्रीवास्तव, डी. प्रसाद, नितिन अग्रवाल और मधुसूदन एन. सरडा (अन्य लोगों के साथ) शामिल हैं।

हालांकि, निवेश की राशि सार्वजनिक नहीं की गई है, फिर भी निवेशकों की प्रतिष्ठा कंपनी के नेतृत्व, दृष्टिकोण और भविष्य की योजना पर गहरा भरोसा दशार्ती है।

प्रशांत शाह और राजेश बड़िये द्वारा स्थापित कंपनी डिफाइनेज की शुरूआत एक शोध-आधारित निवेश शिक्षा मंच के रूप में शुरू हुई थी, जिसके बाद यह पूर्ण-सेवा ब्रोकिंग में विस्तारित हुई।

कंपनी ने मजबूत एनालिटिकल टूल्स और सरल, व्यावहारिक शिक्षा के जरिए ट्रेडर्स और निवेशकों का भरोसा जीता है। इसके प्रमुख प्रोडक्ट ऑप्स्ट्रा (फ्लैगशिप ऑप्शंस एनालिटिक्स प्लेटफॉर्म) और सालाना ट्रेडिंग-इन्वेस्टिंग सम्मेलन काफी लोकप्रिय हैं। आज डिफाइनेज तकनीकी विश्लेषण, फंडामेंटल एनालिसिस, ऑप्शंस स्ट्रेटेजी, म्यूचुअल फंड्स, मोमेंटम इन्वेस्टिंग और एल्गो-ट्रेडिंग जैसे क्षेत्रों में एकीकृत इन-हाउस टूल्स का पूरा सेट प्रदान करता है। यह प्रोडक्ट-फर्स्ट मॉडल भारतीय ब्रोकरेज इंडस्ट्री में इसे खास बनाता है। इस पर बात करते हुए प्रशांत शाह, को-फाउंडर एवं सीईओ ने कहा, अधिकांश स्टार्टअप्स की तरह हमने ब्रोकरेज लाइसेंस लेकर शुरूआत नहीं की। हमने भरोसा, ज्ञान और समुदाय बनाकर शुरूआत की। हमारा मिशन भारतीय ट्रेडर्स और निवेशकों को प्रोफेशनल-ग्रेड टूल्स मुहैया कराना और एजुकेट करना है। पिछले कुछ वर्षों में हमने एक पारदर्शी, प्रोडक्ट-फर्स्ट इकोसिस्टम बनाया है, जो लर्निंग, एनालिसिस और ऑटोमेशन, तीनों को जोड़ता है। इस रणनीतिक साझेदारी के साथ हमारा लक्ष्य भारत की ट्रेडिंग और निवेश समुदाय को संस्थागत-स्तर की सटीकता और उन्नत विश्लेषण प्रदान करना है।

यह निवेश ऐसे समय आया है, जब भारत के वित्तीय परिदृश्य में बड़ा बदलाव चल रहा है। बढ़ती आय और डिजिटल फर्स्ट मानसिकता के कारण अब घर-परिवार पारंपरिक बचत से हटकर पूंजी बाजारों की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। एनएसई के पंजीकृत निवेशकों की संख्या 24 करोड़ (240 मिलियन) पार कर चुकी है। म्यूचुअल फंड अब घरेलू बचत का बड़ा हिस्सा नियंत्रित करते हैं। अनुभवी निवेशकों के मजबूत समूह की मदद से डिफाइनेज इस नई पूंजी का उपयोग अपने उत्पाद नवाचार को तेज करने, शिक्षा और सामुदायिक इकोसिस्टम को विस्तार देने और यूजर ग्रोथ बढ़ाने में करेगी।

कंपनी का लक्ष्य भारत का अपनी तरह का एक अनोखा एल्गो प्लेटफॉर्म लॉन्च करना, ऑप्स्ट्रा, मोमेंटिफाई और जोन ऐप जैसे उत्पादों को ऑटोमेशन के साथ और बेहतर बनाने, ट्रेडर्स और निवेशकों को सशक्त बनाने के लिए लाइव इवेंट्स व लर्निंग प्रोग्राम बढ़ाने और अपने प्रोडक्ट-एंड-एजुकेशन मॉडल के जरिए यूजर्स की संख्या बढ़ाने की योजना है। साथ ही कंपनी इंफ्रास्ट्रक्चर, कंप्लायंस और यूजर एक्सपीरियंस को भी मजबूत करेगी ताकि प्लेटफॉर्म सुरक्षित, पारदर्शी और स्केलेबल बना रहे।

महेश गायकवाड़ के हांथो कल्याण म्होत्सव का उद्घाटन

20 दिसंबर से 28 दिसंबर चलेगा म्होत्सव

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्व में मातोश्री गुंजाई फाउंडेशन द्वारा अपना कल्याण महोत्सव का आयोजन होने जा रहा है। गुरुवार को शिवसेना के विधानसभा संपर्क प्रमुख महेश गायकवाड़ के हाथों अपना कल्याण महोत्सव का उदघाटन हुआ। आगामी 20 दिसंबर से 28 दिसंबर के बीच आयोजित होने वाला अपना कल्याण महोत्सव इस साल काफी खास होने वाला है।

इस महोत्सव में काशी विश्वनाथ मंदिर की झांकी मुख्य आकर्षण होगी, और प्रतिदिन महोत्सव में गंगा आरती की जाएगी। महोत्सव में मराठी फिल्म जगत के सितारों की महफिल भी सजने वाली है, जिसमें गायक संजू राठौड़, सैराट फिल्म की अभिनेत्री रिंकू राजगुरु उर्फ अर्चि जैसे कलाकारों का नाम शुमार है। महेश गायकवाड़ ने कल्याण के लोगों से अपील करते हुए कहा कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में शामिल होकर अपना कल्याण महोत्सव का आनंद उठाएं। इस मौके पर प्रशांत बोटे, कृष्णा पाटिल सहित अन्य उपस्थित थे।

ऑडी इंडिया ने बायबैक, एक्सटेंडेड वारंटी और ड्राइव श्योर प्रोग्राम लॉन्च किए

मुंबई (उत्तरशक्ति)। ऑडी इंडिया अपने ग्राहक-प्रथम दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए ऐसी कई पहलें शुरू कर रही है, जिनका उद्देश्य वाहन मालिकों को एक सहज, सुरक्षित और चिंता-मुक्त स्वामित्व अनुभव प्रदान करना है। एश्योर्ड बायबैक, एक्सटेंडेड वारंटी और ऑडी ड्राइव श?योर जैसे व्यापक कार्यक्रमों के माध्यम से ब्रांड न केवल ग्राहक भरोसे को मजबूत कर रहा है, बल्कि भारत के लग्जरी ऑटोमोबाइल सेगमेंट में नए मानक भी स्थापित कर रहा है।

ऑडी इंडिया के डीलरशिप नेटवर्क ने देशभर में नया एश्योर्ड बायबैक प्रोग्राम शुरू किया है। यह कार्यक्रम ग्राहकों को उनके वाहन के भविष्य मूल्य के प्रति भरोसा दिलाता है और फेस्टिव सीजन के दौरान मांग बढ़ाने में सहायक है। यह पहल लग्जरी कार खरीदते समय सामने आने वाली सबसे बड़ी चिंता–यानी भविष्य मूल्य को लेकर अनिश्चितता–को प्रभावी रूप से दूर करती है। इस कार्यक्रम के तहत ग्राहकों को उनके वाहन का भविष्य मूल्य पहले से तय कर दिया जाता है। इसके साथ ही आसान फाइनेंसिंग और ऐसी बीमा सुविधा भी प्रदान की जाती है, जो अवधि पूरी होने पर वाहन के मूल्य में आने वाले किसी भी अंतर को कवर करती है। डीलरशिप द्वारा संचालित यह पहल लग्जरी वाहन स्वामित्व को महत्वाकांक्षी खरीदारों के लिए अधिक सुलभ और वित्तीय रूप से भरोसेमंद बनाती है। ग्राहक को गारंटीड फ्यूचर वैल्यू का लाभ मिलता है, जिसमें 3 साल या 45,000 किमी के बाद एक्स-शोरूम मूल्य का 60% और 4 साल या 60,000 किमी के बाद एक्स-शोरूम मूल्य का 50% सुनिश्चित किया जाता है। अवधि समाप्त होने पर ग्राहकों के लिए लो-ईएमआई बैलून फाइनेंस का विकल्प भी उपलब्ध है, जो फाइनेंसर की मंजूरी पर निर्भर करता है।

यह अतिरिक्त सुविधा ग्राहकों को पूरे स्वामित्व काल में पूरी सुरक्षा का भरोसा देती है। यह कार्यक्रम वाहन की लंबी अवधि तक सुरक्षा सुनिश्चित कर, उन्हें बेफिक्र और निश्चिंत स्वामित्व अनुभव प्रदान करता है। इस कार्यक्रम के तहत वाहन की उम्र 10 वर्ष तक सभी मैन्युफैक्चरिंग खामियों का कवरेज मिलता है, साथ ही 2,00,000 किमी तक विस्तृत माइलेज सुरक्षा भी प्रदान की जाती है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बनाने वाले अन्तरराज्यीय गैंग का पर्दाफश, 5 गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। फर्जी जन्म प्रमाणपत्र बनाने वाले अन्तरराज्यीय गैंग का थाना जलालपुर पुलिस ने पदार्फाश करते हुए गैंग के 5 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से कुल 09 एंड्रायड मोबाइल फोन व 04 लैपटाप बरामद किया गया।

पूर्व की घटना, दिनांक 22.11.2025 को वादी रतन कुमार पुत्र कमलचन्द राम ग्रा० असबरनपुर पो० जलालपुर जिला जौनपुर उ०प्र० द्वारा अपनी लडकी का जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के लिये यूनियन बैंक जलालपुर मे विजय यादव पुत्र रामआसरे यादव ग्राम मुरलीपुर थाना केराकत जनपद जौनपुर जो आधार कार्ड बनाते है उनको दिया था। विनय द्वारा उनकी लडकी का फर्जी जन्म प्रमाण पत्र तैयार करके फर्जी जन्म प्रमाण पत्र दिया। जब इस जन्म प्रमाण पत्र का सत्यापन सीएमओ कार्यालय जौनपुर से करवाया तो कार्यालय द्वारा ज्ञात हुआ कि फर्जी प्रमाण पत्र है। पता करने पर ज्ञात हुआ कि विनय यादव का एक गैंग है जिसके इसके गैंग मे रामभरत मौर्या पुत्र सूर्यभान ग्राम रमदतपुर पट्टी पो० (टाडा) के पास थाना बलुआ जनपद चन्दौली शामिल है इन लोगो के द्वारा फर्जी व कुट रक्षित जन्म प्रमाण पत्र आदि मृत्यु प्रमाण पत्र आदि दस्तावेज तैयार कर सीधे साधे लोगो को हम जैसे सीधे साधे लोगो को भारी भरकम पैसा लेकर दिया जाता है।

तहरीर के आधार पर मु.अ.सं. 426/2025 धारा 319(2), 318(4), 338, 336(3), 340(2) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचनात्मक कार्यवाही प्रचलित की गई।

पुलिस कार्यवाही: पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर द्वारा अपराध व अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे। अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर एंव क्षेत्राधिकारी केराकत, जौनपुर के पर्यवेक्षण में दिनांक 04.12.2025 को

9 एंड्रायड मोबाइल फोन, 4 लैपटाप बरामद, जलालपुर पुलिस को मिली सफलता

उ0नि0 मोहन प्रसाद मय उ0नि0 बलवंता मय हमराह द्वारा मु0अ0सं0 426/25 धारा 319(2), 318(4), 338, 336(3), 340(2)/3(5) बी0एन0एस0 व धारा 66 डी आई0 टी0 एक्ट से सम्बन्धित वांछित आरोपीगण, अंकित यादव उर्फ शुभम यादव पुत्र नन्द लाल यादव निवासी टेकई थाना मोहम्मदाबाद गोहना जनपद मऊ उम्र करीब 23 वर्ष, राज कुमार उर्फ विक्की पुत्र हरीराम पण्डित निवासी हैबतपुर थाना गौर सिटी 2 जिला गौतमबुद्ध नगर उम्र 22 वर्ष को नहोरा सई नदी के पास से तीन एन्ड्राएड फोन व तीन लैपटाप के साथ समय 19.10 बजे गिरफ्तार किया गया। तथा उ0नि0 अनिल कुमार तिवारी, उ0नि0 विजय कुमार सिंह मय हमराह द्वारा मु0अ0सं0 426/25 धारा 319(2), 318(4), 338, 336(3), 340(2)/3(5) बी0एन0एस0 व धारा 66 डी आई0 टी0 एक्ट से

सम्बन्धित वांछित अभियुक्तगण: राशिद

पुत्र फिरोज निवासी खैरीबाकर थाना बीसफी जनपद मधुबनी बिहार उम्र करीब 26 वर्ष, राजीव कुमार पुत्र रामकिशोर सिंह निवासी डगरौली थाना हसनपुर जनपद अमरोहा उम्र 24 वर्ष, अभिषेक गुप्ता पुत्र राजेन्द कुमार गुप्ता निवासी प्रेमा बिहार कालोनी आलमनगर थाना पारा जनपद लखनऊ उम्र 31 वर्ष को 06 एन्ड्रायड मोबाइल व 01 लैपटाप के साथ बाकराबाद हाईवे तिराहे के पास से समय 05.00 बजे गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

गिरफ्तार आरोपी द्वारा पूछताछ में बताया गया कि ग्राम पंचायत की आइडी से मिलता जुलता पासवर्ड ट्राई करके लागिन किया जाता था तथा ऐनी डेस्क पर स्क्रीन शेयर के माध्यम से सम्बंधित आईडी का पासवर्ड जनरेट कर फर्जी जन्म प्रमाणपत्र पत्र बनाकर लोगो से मोटी रकम वसूलते थे।

गिरफ्तार आरोपीगण का विवरण: अंकित यादव उर्फ शुभम यादव पुत्र नन्द लाल यादव निवासी टेकई थाना मोहम्मदाबाद गोहना जनपद मऊ उम्र 23, राज कुमार उर्फ विक्की पुत्र हरीराम पण्डित निवासी हैबतपुर थाना गौर सिटी 2 जिला गौतमबुद्ध नगर उम्र 22 वर्ष, राशिद पुत्र फिरोज निवासी खैरीबाकर थाना बीसफी जनपद मधुबनी बिहार उम्र करीब 26 वर्ष, राजीव कुमार पुत्र रामकिशोर सिंह निवासी डगरौली थाना हसनपुर जनपद अमरोहा उम्र 24 वर्ष, अभिषेक गुप्ता पुत्र राजेन्द कुमार गुप्ता निवासी प्रेमा बिहार कालोनी आलमनगर थाना पारा जनपद लखनऊ उम्र 31 वर्ष।

बरामदगी का विवरण: (कुल 09 अदद एंड्रायड मोबाइल फोन व 04 अदद लैपटाप) अंकित यादव उर्फ शुभम के के पास से दो अदद एंड्रायड मोबाइल ओप्पो कम्पनी जो K13 5G मॉडल नम्बर CPH2753 जिसका IMEI- 863756077384439 व IMEI- 863756077354421 रंग काला व दूसरी मोबाइल मोटो G96 5G IMEI- 354080682001577, IMEI- 354080682001585 जिसमें सिम 1 में मो0 नं0 8840823243 व एक अदद लैपटाप DELL INSPIRON 15, राज कुमार उर्फ विक्की के पास से एक अदद एन्ड्राईड मोबाईल रंग आरेंज वीवो वॉय-56 मॉडल V2311 सीरीयल नम्बर 10BD9P2RRS000BD जिसका IMEI- 865279060135237, IMEI- 865279060135229 जिसमें सिम 1 में 7632008438 व सिम 2 में 9891390758, राशिदा के पास DELL कम्पनी का लैपटाप व दो मोबाइल जो क्रमशः रेडमी रंग काला IMEI- 86830048331591, IMEI- 86830048331609, रियल मी एन्ड्रायड रंग आसमानी IMEI- 1861993064761756, 1861993064761749 मो0नं0 7336712570, राजीव कुमार के पास से रेडमी का एन्ड्रायड मोबाइल मो0नं0 7454649079 IMEI- 867339067720441, IMEI- 867339067720858, अभिषेक गुप्ता के पास से आसमानी रंग का OPPO कम्पनी का एन्ड्रायड मोबाइल मो0नं0 7388766671 IMEI- 866114044611632, IMEI- 866114044611624, एन्ड्रायड मोबाइल OPPO कम्पनी रंग क्रीम, IMEI- 868273067105675, IMEI- 868237067105667।

पंजीकृत अपराध का विवरण: मु0अ0सं0 426/25 धारा 319(2), 318(4), 338, 336(3), 340(2)/3(5) बी0एन0एस0 व धारा 66 डी आई0 टी0 एक्ट थाना जलालपुर जनपद जौनपुर। आरोपी अभिषेक गुप्ता पुत्र राजेन्द कुमार गुप्ता निवासी प्रेमा बिहार कालोनी आलमनगर थाना पारा जनपद लखनऊ उम्र 31 वर्ष का अपराधिक इतिहास- मु0अ0सं0 003/25 धारा 318(4)/336(3)/338/340(2) बीएनएस व 66/66 सी आईटी एक्ट थाना साइबर क्राइम थाना जनपद उन्नाव।

गौशाला पहुँचने पर बजरंग दल कार्यकताओं पर हुआ हमला, दर्जन भर लोग घायल

नौपेड़वा, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्शा थाना क्षेत्र के उमरक्षा गांव में बने गौशाला पर गौकशी की शिकायत पर पहुँचे बजरंग दल के कार्यकताओं पर प्रधान के नेतृत्व में ग्रामीणों ने हमला बोल दिया। उग्र ग्रामीणों से घिरता देख बजरंग दल के कार्यकताओं ने गौशाला में बने एक कमरे में अंदर से बन्द कर लिए। आरोप है कि उग्र ग्रामीणों ने सरपत एवं पुआल टिन सेट पर फेंक आग लगाकर दी परन्तु ग्रामीणों ने ईंट पत्थर मार उन्हें घायल कर दिया। सूचना पर पहुँचे कुछ अन्य कार्यकर्ताओ को भी ग्रामीणों ने पुलिस की मौजूदगी में पिटाई कर दी।

ग्रामीणों ने 112 नम्बर एक वाहन व चार बाइक को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। सूचना पर पहुँचे थानाध्यक्ष विक्रम लक्ष्मण सिंह ने मौके पर पहुँच सभी को सुरक्षित बाहर निकाल थाने ले आये। थोड़ी ही देर में दल के दर्जनों कार्यकर्ता थाने पहुँच आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग पर अड़ गए। थाने पहुँचे क्षेत्राधिकारी सदर देवेश सिंह एसडीएम सदर ने पहुँच पूछताछ कर

प्रधान सहित नौ नामजद, 40 अज्ञात लोगों के खिलाफ तहरीर

विधिक कार्यवाही का भरोसा दिलाया। कोतवाली थाना क्षेत्र के बोदकरपुर मुहल्ला निवासी बजरंग दल कार्यकर्ता गणेश मोदनवाल ने पुलिस को दिए तहरीर में आरोप लगाया कि उक्त गौशाला पर गोतस्करी की शिकायत लंबे समय से मिल रही थी। बुधवार दोपहर मैं दल के कार्यकर्ता शिवम अग्रहरि, नीलेश निषाद, प्रभाकर निषाद, सत्यम, अभिषेक, दीपक कनौजिया आदि के साथ गौशाला पहुँचा जहां मौजूद केयर टेकर से पूछताछ कर अंदर प्रवेश कर गए।

आरोप है कि थोड़ी ही देर में ग्राम प्रधान राजेन्द्र गौतम अपने पुत्र कुलदीप, संजीत एवं रंजीत के साथ गौशाला पहुँच रॉड डंडों से पिटाई शुरू कर दी। जान बचाने के लिए बने एक कमरे में घुस अंदर से बन्द कर लिए परन्तु ग्रामीण ईंट पथ्थरों से हमला कर बुरी तरह घायल कर दिए। ग्रामीण सरपत एवं पुआल को टिन सेट के ऊपर फेंक जिंदा जलाने का प्रयास किये। आरोप है कि मेरे द्वारा फोन पर सूचना देने पर पहुँचे कुछ अन्य कार्यकर्ताओ पर भी हमला कर घायल कर दिया। घटना के दौरान मारपीट, पथ्थरबाजी व आगजनी की घटना में 112 नम्बर पुलिस की गाड़ी चार बाइक क्षतिग्रस्त हो गई है। घटना के बाद बजरंगदल के कार्यकताओं ने थाने पहुँच मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु की मांग पर अड़े रहें। पुलिस ने ग्रामीणों के हमले में गणेश मोदनवाल, सत्यम मिश्र, नीलेश निषाद, प्रभाकर निषाद, अभिषेक निषाद, दीपक चौधरी, अभिषेक तिवारी, शिवम अग्रहरि, नितेश मौर्या, धनंजय शुक्ला का मेडिकल करा आवश्यक कार्यवाही में जुट गई है। थानाध्यक्ष ने बताया कि तहरीर लेकर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक एवं सीओ सदर ने कहा कि उचित कारवाई की जा रही है। मौके पर मौजूद सीओ ने बजरंग दल कार्यकर्ताओ को जांच के बाद कार्यवाही का भरोसा दिलाया।

जौनपुर में रहस्यमयी धमाका! मकान धराशायी

चार लोग घायल, सिलेंडर ब्लास्ट या पटाखा विस्फोट, पुलिस जांच में जुटी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मड़ियाहूं कोतवाली क्षेत्र के हिनौती गांव में बुधवार रात एक जोरदार धमाके के बाद पक्का मकान ताश के पत्तों की तरह ढह गया। हादसे में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें वाराणसी स्थित ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। घटना की वजह पर दो तरह की बातें सामने आ रही हैं– परिजन गैस सिलेंडर ब्लास्ट बता रहे हैं, जबकि ग्रामीणों का दावा है कि मकान में पटाखा बनाने का काम होता था, इसलिए घटना संदिग्ध है।

हिनौती गांव निवासी मुन्नू अहमद वर्षों से शादी-समारोह में पटाखे छोड़ने का काम करता आया है। रात करीब 8:30 बजे उसका पक्का मकान अचानक जोरदार धमाके के साथ ध्वस्त हो गया। घर के अंदर मौजूद चार लोग गंभीर रूप से घायल हुए मुन्नू (40) साहिल (17) पुत्र सलाम मेराज (12) पुत्र मुन्नू रूबी (36) पत्नी मुन्नू स्थानीय लोगों ने घायलों को उलउ मड़ियाहूं पहुंचाया, जहां हालत गंभीर होने पर मुन्नू और साहिल को ट्रॉमा सेंटर वाराणसी रेफर कर दिया गया।

सूचना पर कोतवाली प्रभारी इंस्पेक्टर अमित कुमार सिंह फोर्स के

साथ पहुंचे और घटना की जांच की। पुलिस का कहना है घर में खाना बन रहा था गैस सिलेंडर पहले से लीक था चिंगारी लगते ही आग भड़क गई सिलेंडर में विस्फोट से पूरा मकान ढह गया पुलिस के पास घर की एक महिला का बयान भी है, जो सिलेंडर ब्लास्ट की पुष्टि करता है। ग्रामीणों का दावा है मकान पूरी तरह जमींदोज हो चुका है हर ईंट-पत्थर बिखरा पड़ा है लेकिन 14 किलो सिलेंडर का एक भी टुकड़ा मौके पर नहीं मिला ग्रामीणों को शक है कि मकान में शायद पटाखा बनाने या जमाखोरी का काम होता था, सिलेंडर ब्लास्ट की आड़ दी जा रही है।

सिलेंडर ब्लास्ट से हादसा पटाखा विस्फोट से मकान ढहा पुलिस दोनों एंगल पर जांच कर रही है, लेकिन ग्रामीणों के संदेह बढ़ते ही जा रहे हैं। अचानक हुए भीषण धमाके और मकान के ढह जाने से पूरा गांव दहशत में है। लोग रातभर मौके पर जुटे रहे और घटना को लेकर तरह-तरह की चचाएँ जारी रहीं।

बरसठी में विवाहिता की रहस्यमयी मौत, पति सहित छह पर हत्या का मुकदमा

दिनेश विश्वकर्मा

बरसठी, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना क्षेत्र के जुब्बापुर बारीगांव में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी से मौत के मामले में पुलिस ने मृतका के भाई की तहरीर पर छह लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर लिया है।

जानकारी के अनुसार, प्रीति मिश्रा (28 वर्ष) पत्नी राहुल मिश्रा मंगलवार दोपहर बाद अपने ससुराल में फांसी के फंदे पर लटकी मिलीं। मृतका के भाई नंदन कुमार मिश्रा निवासी मानिकपट्टी, पोस्ट रया, जनपद भदोही ने आरोप लगाया कि उनकी बहन की शादी 07 मई 2021 को राहुल मिश्रा से हुई थी। शादी के बाद से ही ससुरालीजन 50,000 नगद और एक अपाचे मोटरसाइकिल की मांग कर रहे थे। मांग पूरी न होने पर उसे लगातार प्रताड़ित किया जाता था।

तहरीर में मृतका के भाई ने यह भी आरोप लगाया है कि अजिया ससुर शीतला प्रसाद मिश्र और देवर अतुल मिश्रा अक्सर पति राहुल को मारपीट करने के लिए उकसाते थे। आरोप है कि मंगलवार दोपहर बाद सभी आरोपियों ने मिलकर प्रीति की गला दबाकर हत्या कर दी और बाद में उसे फंदे से लटका दिया, ताकि मामला आत्महत्या जैसा प्रतीत हो।

पुलिस ने तहरीर के आधार पर पति राहुल मिश्रा, देवर अतुल मिश्रा, सास सुधा देवी, ननद नेहा मिश्रा, ननद छाया मिश्रा और अजिया ससुर शीतला प्रसाद मिश्र के विरुद्ध बीएनएस की धारा 85, 80(2) तथा डीपी एक्ट की धारा 3/4 के तहत मुकदमा पंजीकृत कर लिया है।

प्रभारी निरीक्षक देवानंद रजक ने बताया कि शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

ट्रक-ट्रेलर की टक्कर में ट्रक ड्राइवर की मौत

खबर लगते ही परिजनों को हुआ रो-रो कर बुरा हाल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बुधवार की रात सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के जौनपुर शाहगंज मार्ग पर बड़उर के पास ट्रक ट्रेलर की टक्कर में में ट्रक ड्राइवर केराकत कोतवाली क्षेत्र के देवाकलपुर गांव निवासी गोविंद कुमार पुत्र नन्हकू राम उम्र लगभग तीस वर्ष की मौके पर मौत हो गई। मौके पर पहुंची

पुलिस शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया। मृतक के स्वजनों के अनुसार ट्रक चालक शाहगंज में ट्रक खाली कर घर आ रहा था की रात लगभग साढ़े बारह के लगभग दुर्घटना हो गई। मृतक के पास दो पुत्र व एक पुत्री है सबसे बड़ा पुत्र दिव्यांग है।मृतक की पत्नी पूनम देवी गोद में लिए दो माह के बच्चे के साथ रोते हुए कह रही है कि अब इन बच्चों संग पहाड़ सी जिंदगी कैसे कटेगी।पूनम के करुण क्रंदन से आने जाने वाले सभी लोगों की आंखे नम हो जा रही है। मृतक छ भाइयों में तीसरे नंबर पर था ट्रक चलकर अपने परिवार का सहारा था। स्थानीय लोगो के अनुसार यह हादसा झपकी आने के वजह से हुई। हालांकि दुर्घटना के सही कारणो की जांच की जा रही है। मृतक गोविंद कुमार की उम्र लगभग 30 वर्ष थी।

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर खेलकूद व सांस्कृति कार्यक्रम में अव्वल आने वाले बच्चों को किया गया सम्मानित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले में अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस शिया इण्टर कॉलेज के मैदान में दिव्यांग बच्चों का शैक्षिक, सांस्कृतिक, खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिलाधिकारी डॉ दिनेश सिंह व विशिष्ट अतिथि पुलिस अधीक्षक डॉ कौतुभ तथा मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खड़िया व विनीत सेठ रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ.गोरखनाथ पटेल ने किया। मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि द्वारा सरस्वती प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन करते हुए माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके बाद जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल व जिला समन्वयक समेकित शिक्षा शशिधर उपाध्याय ने मुख्य अतिथि व

विशिष्ट अतिथि का माल्यार्पण कर स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि द्वारा मसाल दौड़ कराकर कार्यक्रम को आगे बढ़ाया। दृष्टि बाधित बच्चों ने सरस्वती वंदना के साथ स्वागत गीत प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि ने प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को मेडल, प्रमाण पत्र, ट्रैक शूट, प्लेट, टाफी देकर सम्मानित किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने सरकार से मिल रही सुविधाओं के विषय में दिव्यांग बच्चों के अभिभावक व दिव्यांग बच्चों को अवगत कराया। उन्होंने कहा इन सुविधाओं का लाभ लेकर ये दिव्यांग बच्चे भी सामान्य बच्चों की तरह अपना कार्य कर सकते हैं।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि डॉ कौस्तुभ ने कहा कि ये दिव्यांग बच्चे अपने आप को दिव्यांग ना समझे ये सामान्य बच्चों से कम नहीं है। उनके माता-पिता भी इनको दिव्यांग ना समझे पहले का दौर कुछ और था अब का दौर कुछ और है।दिव्यांग बच्चे भी सामान्य बच्चों जैसा प्रदर्शन कर सकते हैं तथा अपना जीवन जी सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान आलोक कुमार गुप्ता, रेखा त्रिपाठी, रेखा सिंह, अश्वनी सिंह, सुभाष गुप्ता, अरुण मौर्य, डां पीडी तिवारी, सीमा सिंह, ज्योति सिंह, अरुण सिंह, प्रमोद कुमार माली, त्रिभुवन सिंह पटेल, विनोद यादव, बदरून निशा, रेनू पटेल, अमर पटेल, संदीप आदि विशेष शिक्षक दिव्यांग बच्चे उनके अभिभावक उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में महिला की मौत, पति और उसकी देवरानी गभीर रूप से घायल, एक ही बाइक पर सवार थे तीनों

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सिकरारा थाना क्षेत्र अंतर्गत समरी गांव के निकट बुधवार की शाम एक सड़क हादसे में बाइक सवार पति पत्नी और देवरानी घायल हो गए वह सभी किसी रिश्तेदार के यहां गए हुए थे तभी शाम को घर वापिस जाते समय एक स्कूल बस ने बाइक सवार उक्त लोगों को टक्कर मार दी , प्रत्यक्ष दर्शी बताते है कि टक्कर इतनी जबरदस्त थी की बाइक सवार पति पत्नी और देवरानी गिरकर लहूलुहान हो गए तभी आस पास के लोगों ने तुरंत इन घायलों को एंबुलेंस द्वारा जिला अस्पताल पहुंचाया जहां डाक्टरों द्वारा महिला और उसकी देवरानी का इलाज हुआ वहीं उसके पति के पैर और मुंह में गहरा घाव लगा हुआ है। वहीं महिला करिश्मा गौतम 25 वर्ष पति सुभाष गौतम गांव वीरभानपुर थाना मछलीशहर की मौत हो गई तीनों को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया था जहां इलाज के दौरान आधे घंटे बाद महिला करिश्मा की मौत हो गई सिकरारा थाना प्रभारी ने बताया कि विद्यालय की उक्त बस सहित चालक को हिरासत में ले लिया गया है और पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मर्चरी हाउस में रख दिया है वहीं परिजनों में मौत की खबर सुन कर कोहराम मच गया है मृतक के गली में मातम सा पसरा हुआ है।

प्राचीन हनुमान मंदिर से चोरों ने उड़ाया सवा 5 किलो का घंटा, ग्रामीणों में रोष

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ब्राह्मणपुर झमका के बगही गांव स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में देर रात चोरी की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। अज्ञात चोरों ने मंदिर परिसर में लगे लगभग सवा पाँच किलो का छड़ में बधा घंटा तोड़कर चोरी कर लिया। घटना से पूरे क्षेत्र में आक्रोश व भय का माहौल व्याप्त है।

बुधवार की सुबह जब ग्रामीण नियमित पूजाझअर्चना के लिए मंदिर पहुंचे तो मंदिर में बँधा घंटा गायब मिला। घंटा न दिखने पर लोगों में हड़कंप मच गया और चोरी की आशंका के बाद ग्रामीणों ने आस-पास तलाश शुरू की, लेकिन घंटा कहीं नहीं मिला। इसी दौरान मंदिर के पास में लगे सीसीटीवी कैमरे की जाँच की गई, जिसमें करीब 42 सेकेंड का फुटेज सामने आया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में रात के अंधेरे में संदिग्ध व्यक्ति की हलचल दिखाई दे रही है, हालांकि पहचान स्पष्ट नहीं हो सकी है।

घटना की जानकारी मिलते ही ग्राम प्रधान संजय यादव (मालिक) व ग्रामीण ने तुरंत केराकत कोतवाली में पहुँचकर मंदिर पर चोरी होने की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने मामला की जांच शुरू कर दी है। पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज अपने कब्जे में ले लिया है और आसपास के क्षेत्रों में पूछताछ कर जांच कर रही है।

ग्रामीणों का कहना है कि मंदिर क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन को और सख्त कदम उठाने चाहिए, क्योंकि यह मंदिर गांव की आस्था का प्रमुख केंद्र है। चोरी की इस वारदात से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है और लोग चोरों की जल्द गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

जौनपुर की जर्जर सड़कों पर मौत के गड्ढे!

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले की सड़कें इन दिनों बदहाली की एक ऐसी तस्वीर पेश कर रही हैं जिसे देखकर किसी भी यात्री का दिल दहल जाय। जौनपुर–शाहगंज मार्ग पर कीर्तिकुंज मारुति एजेंसी के सामने की है। उसके सामने काफी दूर तक इतने गड्ढे रोड पर हैं कि आए दिन राहगीर उसमें गिरकर घायल हो रहे हैं। शहर की हाल तो बेहाल है। पूरे शहर में सीवर लाइन खुदाई

सड़क में गड्ढे हैं या गड्ढे में सड़क, समझ से परे

के लिए खोदे गये गड्ढे पाट तो दिये गये हैं लेकिन अभी तक बार-बार धस रहा है। इसमें आवागमन में काफी परेशानी हो रही है जिससे पूरा शहर परेशान है। शहर हो या कस्बा, मुख्य मार्ग हों या गांवों की संपर्क सड़कें–हर जगह गड्ढों की भरमार है। कई स्थानों पर स्थिति इतनी गंभीर है कि सड़क कहीं-कहीं गायब हो गई है और केवल गड्ढे ही गड्ढे दिखाई देते हैं। स्थानीय लोग तंज कसते नजर आते हैं।

लगातार दुर्घटनाओं का कारण बने इन गड्ढों ने आमजन का जीवन असुरक्षित बना दिया है। दोपहिया वाहन चालक रोजाना गिरते-पड़ते अपनी मंजिल तक पहुंचने को मजबूर हैं। स्थानीय निवासी बताते हैं कि बीते कुछ दिनों में कई लोग इन गड्ढों की वजह से घायल हो चुके हैं। ह्लसड़क पर चलते समय हर कदम

डर लगता है, बारिश हो जाय तो पानी में गड्ढे छिप जाते हैं और जोखिम दोगुना हो जाता है। सड़कों की यह बदहाली नई नहीं है। महीनों एवं वर्षों से स्थिति बिगड़ती जा रही है लेकिन मरम्मत का काम शुरू होने के बजाय फाइलों में ही दबा पड़ा है। क्षेत्रीय नागरिकों का आरोप है कि सरकार और विभागीय अधिकारी जौनपुर की जर्जर होती सड़कों से पूरी तरह बेखबर बने हुये हैं। जिला प्रशासन की निष्क्रियता से लोगों में गहरा आक्रोश है। कई नागरिकों का कहना है कि पूरे तंत्र की उदासीनता ने जनता को

प्रशासन खामोश, जनता का सब्र टूटने के कगार पर

मानो अपने हाल पर छोड़ दिया है। ग्रामीण क्षेत्रों में हालात और भी विकट हैं। स्कूल जाने वाले बच्चों से लेकर रोज कमाने-खाने वाले मजदूर तक सभी इन खतरनाक गड्ढों से जूझ रहे हैं। एम्बुलेंस, किसानों की ट्रैक्टर-ट्रॉलियाँ, मरीज ले जाने वाले लोग हर कोई इस समस्या से परेशान है।

देखा जा सकता है कि नगर के कई स्थानों पर सड़कें इतनी उखड़ चुकी हैं कि यातायात तक बाधित हो जाता है। नाराज लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही सड़क सुधार कार्य शुरू नहीं हुआ तो वे आन्दोलन का रास्ता अपनाने को बाध्य होंगे। जनता का कहना है कि अब केवल आश्वासन नहीं, बल्कि ठोस कार्यवाही की जरूरत है। गड्ढों से भरी सड़कों का यह मुद्दा जिले के लिये शर्मनाक स्थिति बन चुका है।

क्षेत्राधिकारी सदर को कोर्ट ने किया तलब

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जिला एवं सत्र न्यायालय ने एक नाबालिग के अपहरण के गंभीर मामले में पुलिस की भ्रष्ट व दूषित जांच को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए क्षेत्राधिकारी सदर आस्था जायसवाल को व्यक्तिगत रूप से तलब किया है। कोर्ट ने 15 दिसंबर 2025 को उन्हें स्वयं उपस्थित होकर स्पष्टीकरण देने का आदेश दिया है। घटना 15 मई 2025 की है जब शिकायतकर्ता विनोद शर्मा के नाबालिग पुत्र को लाइब्रेरी से बुलाकर अपहरण कर लिया गया था। तत्कालीन पुलिस अधीक्षक के आदेश पर थाना मुबारकपुर में मुकदमा संख्या 239/2025 दर्ज हुआ। मामला बीएनएस की धारा 140(2), 3(5), 115(2), 131, 352(3) व पाक्सो एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत पंजीकृत किया गया। विवेचना का जिम्मा सीओ सदर आस्था जायसवाल को सौंपा गया, लेकिन विवेचक ने

बच्चे के अपहरण मामले में दूषित विवेचना पर कोर्ट सख्त

गंभीर धाराएं हटाकर दाखिल की गई थी दूषित चार्जशीट

कथित तौर पर अभियुक्तों से मिलीभगत कर गंभीर धाराएं हटाते हुए हल्की-फुल्की चार्जशीट तैयार कर सीजेएम कोर्ट में दाखिल कर दी और संज्ञान भी तुरंत करा लिया। दूषित जांच से क्षुब्ध होकर पीड़ित विनोद शर्मा ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से जिला एवं सत्र न्यायालय में दांडिक निगरानी याचिका (Criminal Revision) दाखिल की। विद्वान अधिवक्ता ने कोर्ट के समक्ष तथ्य रखते हुए भ्रष्टाचार व विधि व्यवस्था की अनदेखी के गंभीर आरोप लगाए। तथ्यों से अवगत होने पर माननीय सत्र न्यायाधीश ने हैरानी जताई और विवेचक आस्था जायसवाल को 15 दिसंबर 2025 को व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में उपस्थित होने का आदेश जारी किया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इतनी गंभीर प्रकृति के अपराध में इस तरह की लापरवाही व मिलीभगत बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस बाबत सीओ सदर आस्था जायसवाल ने बताया कि इस मामले में अभी मुझे कोई जानकारी नहीं है।

मांगलिक कार्यक्रम में विधायक अखिलेश यादव सहित कई जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति

आजमगढ़। प्रभावती डिग्री कॉलेज के प्रबंधक अवधेश यादव के मांगलिक कार्यक्रम में बुधवार को मुबारकपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक अखिलेश यादव ने पहुँचकर परिजनों से भेंट की और शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय प्रवक्ता कैलाश चंद्रधारी यादव, सुरेंद्र यादव, महेंद्र यादव, भरत यादव, शिवाजी यादव सहित कई समाजसेवी और क्षेत्र के सम्मानित लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में संबोधित करते हुए विधायक अखिलेश यादव ने संगठन की मजबूती पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आप लोग उतर यादव उत्तर युवा संघ को और अधिक मजबूत करें, हम तन-मन-धन से आपके साथ खड़े हैं। विधायक के इस संदेश ने संगठन के कार्यकताओं में उत्साह भर दिया। कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ।

शिक्षा के क्षेत्र में रचनात्मक योगदान के लिए डॉ.कृष्ण मोहन त्रिपाठी का सम्मान

आजमगढ़। पूर्वांचल के मालवीय कहे जानेवाले स्वर्गीय प्रोफेसर बजरंग त्रिपाठी के भाई डॉ कृष्ण मोहन त्रिपाठी का शिक्षा के क्षेत्र में रचनात्मक योगदान के लिए देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान राहुल एजुकेशन के चेयरमैन पंडित लल्लन तिवारी के प्रतिनिधि के रूप में मुंबई के वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे ने आजमगढ़ स्थित उनके चिल्ड्रन कॉलेज परिसर में सम्मान किया। आजमगढ़ जैसे पिछड़े जनपद में शिक्षा की मशाल जलाकर लाखों बच्चों के जीवन को प्रकाशित करने वाले प्रोफेसर बजरंग त्रिपाठी को पूर्वांचल का मसीहा कहा जाता है।

डॉ कृष्ण मोहन त्रिपाठी उनके सुनहरे सपनों को पूरा करने का लगातार प्रयास कर रहे हैं। डेंटल कॉलेज समेत अनेक विद्यालयों के चेयरमैन के रूप में वे लगातार शिक्षा को नया आयाम दे रहे हैं। एजुकेशन फॉर ऑल के मिशन के साथ काम कर रहे डॉ कृष्ण मोहन त्रिपाठी ने दिए गए सम्मान के लिए राहुल एजुकेशन के प्रति आभार व्यक्त किया।

रोटावेटर में फंसकर कक्षा छह के छात्र की मौत

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। हंडिया थाना क्षेत्र के करारी भदैली विजहरा गांव में ट्रैक्टर के रोटावेटर में फंसकर कक्षा छह के छात्र आर्यन यादव (11) पुत्र दिनेश यादव की मौत हो गई। घटना को बुधवार को हुई। रोटावेटर से लहूलुहान बालक को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बुधवार की सुबह समय लगभग 11 बजे आर्यन घर के बगल खेत में चल रहे ट्रैक्टर चालक को पानी देने गया था। इसी दौरान वह रोटावेटर में फंसकर घायल हो गया। दिनेश यादव के एक बेटी अंजली और इकलौता बेटा आर्यन था। अंजली कक्षा (8) में पढ़ती है। दोनों भाई बहन साथ में ही विद्यालय जाते थे, लेकिन उसकी मौत ने आज उसे विद्यालय जाने नहीं दिया।

मां की डांट से क्षुब्ध किशोरी ने फंदा लगाकर दी जान

आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। जहानागंज क्षेत्र के सीही गांव में बुधवार की दोपहर मोबाइल फोन से किसी से बात कर रही बेटी को मां का टोकना इतना नागवार गुजरा कि किशोरी रागिनी चौहान (15) ने बंद कमरे में फांसी लगा कर अपनी जान दे दी। मां ने खुद इसकी सूचना पुलिस को दी। जहानागंज थाना क्षेत्र के सीही गांव निवासी रागिनी चौहान फोन पर किसी से काफी देर से बात कर रही थी। दोपहर में उसकी मां ने उसे डांट दिया। इससे नाराज होकर वह अपने कमरे में चली गई और कमरा बंद कर दुपट्टे का फंदा लगाकर झूल गई। परिजन जब उसे खोजने लगे तो उसका कमरा बंद मिला। परिजन ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को नीचे उतारा और कमरे से बाहर निकाला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी अतुल मिश्रा ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम भेज दिया गया है।

रवींद्र चव्हाण की उपस्थिती में राजन नाईक न कराया भाजपा में प्रवेश

वसई। भारतीय जनता पार्टी महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र दादा चव्हाण की उपस्थिती में नरिमन पॉईंट मुंबई कार्यालय पर आज बहुजन विकास अघाड़ी के पूर्व पार्षद राजेश धागे, सुषमा दिवेकर, एडवोकेट माया चौधरी, कल्पक पाटिल, ज्योति राउत और सैकड़ों पदाधिकारियों और कार्यकताओं के साथ नालासोपारा विधायक राजन नाइक के मार्गदर्शन और वसई विरार जिला अध्यक्ष प्रज्ञा पाटिल के नेतृत्व में जिल्हा महामंत्री औपचारिक रूप से पार्टी में शामिल हुए जिल्हा महामंत्री मनोज बारोट ने उपस्थित सभी नवीन कार्यकर्ता का आभार जताया।

प्रशासन ने हटाया अतिक्रमण, अवैध कब्जे पर प्रशासन का चला बुलडोजर

सिवान (उत्तरशक्ति)। महाराजगंज बिहार के सिवान जिला अंतर्गत जिला प्रशासन के निर्देश पर महाराजगंज की एसडीओ अनीता सिन्हा, एसडीपीओ अमन कुमार ने महाराजगंज नगर पंचायत क्षेत्र में दो रोज पहले माइक से अनाउंसमेंट कर अतिक्रमण हटा लेने का निर्देश दिया था। अधिकांश दुकानदारों ने अपना अतिक्रमण स्वेच्छा से हटा लिया था। लेकिन कुछ दुकानदार महाराजगंज दरौंदा मुख्य सड़क से अपना अतिक्रमण नहीं हटाया था। उसे अतिक्रमण कार्यों द्वारा अतिक्रमण सरकारी सड़क के किनारे से बुलडोजर लगाकर अतिक्रमण हटाने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। कई स्थानों पर लोग एक-दूसरे के टिन शेड दिखा कर हटवाने की मांग करते नजर आए। इस कारण मौके पर बकझक का बाजार गर्म रहा दुकानदारों का कहना था कि कार्रवाई सभी पर समान रूप से होनी चाहिए, जबकि प्रशासन बार-बार घोषणा कर रहा था कि किसी भी स्तर पर पक्षपात नहीं किया जाएगा। कई लोगों ने कहा कि पहले नापी होना चाहिए तब अतिक्रमण हटाना चाहिए। प्रशासन बिना नापी कराए मनमानी अतिक्रमण हटा रहा है। एक तरफ से अतिक्रमण हटाना शुरू होते ही महाराजगंज अनुमंडलीय व्यवहार न्यायालय के सामने, शहीद स्मारक चौक बाजार चौक से अतिक्रमण हटाना शुरू है। प्रशासन पहले मुख्य सड़क का अतिक्रमण हटा रहा है, इसके बाद सब्जी मार्केट, मीठा हाट, गल्ला बाजार, सराफा बाजार आदि स्थान अतिक्रमण सड़कों से अतिक्रमण हटाकर आवागमन सुचारू करेगा। प्रशासन के इस कड़े तेवर को देख कर फुटपाथी दुकानदारों में भगदड़ की स्थिति रही। देखते ही देखते यह क्षेत्र अपने आप खाली हो गया। अतिक्रमण हटाने में एसडीओ,एसडीपीओ के अलावा महाराजगंज थाना की इंस्पेक्टर थाना प्रभारी सुनील कुमार, को जितेंद्र पासवान, नगर पंचायत के ईओ विपिन कुमार, नगर पंचायत के बाद बाबू प्रत्यूष कुमार सह मनु कुमार सिंह, के अलावा भारी संख्या में पुलिस प्रशासन शामिल था।

वैश्य समाज के नवनिर्वाचित विधायकों एवं मंत्रियों को मिला सम्मान

पटना(उत्तरशक्ति)। वैश्य चेतना समिति के द्वारा स्थानीय जगजीवन राम संसदीय अध्ययन एवं राजनीतिक शोध संस्थान में वैश्य प्रतिनिधि सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समिति द्वारा वैश्य समाज के नवनिर्वाचित विधायकों, मंत्रियों सहित पूर्व विधान पार्षदों को अंगवस्त्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वैश्य चेतना समिति के अध्यक्ष इं० सुन्दर साहू ने कहा कि वैश्य चेतना समिति सरकार से मांग करती है कि सरकार वैश्य आयोग का गठन करें। इसके अलावा केंद्रीय जनगणना आयोग से मांग की गई कि सरकार वैश्य के सभी उपजातियों को एक वैश्य माना जाए और वैश्य के रूप में गणना किया जाए। वहीं अपने संबोधन में वैश्य चेतना समिति के सदस्य मनोज जयसवाल ने कहा कि वैश्य समाज अब जागृत हो रहा है। जिस तरह इस बार के चुनाव में 29 सीट वैश्य समाज के लोगों ने जीता है मुझे उम्मीद है आने वाले समय में हम 40-50 सीट पर अपने वैश्य समाज के उम्मीदवार को देखेंगे। और हम आशा करते है कि भविष्य में हमारे समाज का उमीदवार मुख्यमंत्री हो जिससे हमारा समाज गौरवान्वित हो। कार्यक्रम को सफल बनाने में अभिनेत्री रुपाली, वैश्य चेतना समिति के सचिव रविकांत चौरसिया, सह सचिव शिव कुमार स्पंदन, मनोज जायसवाल, पवन कुमार आर्किटेक्ट, संतोष कुमार भारती की अहम भूमिका रही।

ट्रांसफॉर्मिंग मुंबई, ट्रांसफॉर्मिंग महाराष्ट्र पोर्ट्रेट प्रदर्शनी 5 दिसंबर से

भरत सिंह की 100 से अधिक पेंटिंग्स में दिखेगा फडणवीस का नेतृत्व और विकास यात्रा

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में बनी महाराष्ट्र सरकार का एक वर्ष पूरा होने के अवसर पर सरकार के काम काज पर ट्रांसफॉर्मिंग मुंबई, ट्रांसफॉर्मिंग महाराष्ट्र शीर्षक से एक तीन दिवसीय पोर्ट्रेट प्रदर्शनी कल मुंबई में कफ परेड के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में शुरू होगी। मुंबई के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर स्थित पीकॉक हॉल में 5 से 7 दिसंबर 2025 तक ट्रांसफॉर्मिंग मुंबई, ट्रांसफॉर्मिंग महाराष्ट्र नामक विशेष पोर्ट्रेट प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रदर्शनी महाराष्ट्र में वर्ष 2014 से मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में हुई प्रगति, सुशासन और परिवर्तन की यात्रा को कलात्मक रूप में प्रस्तुत करती है। कलाकार भरत सिंह की अनोखी प्रस्तुति इस प्रदर्शनी में प्रसिद्ध पोर्ट्रेट कलाकार भरत सिंह की 100 से अधिक कृतियाँ प्रदर्शित की जाएँगी। इन चित्रों में फडणवीस के विविध कार्यक्षेत्रों में योगदान, उनकी कार्यशैली, समाज कल्याण के प्रति उनकी दृष्टि और महाराष्ट्र के विकास में उनकी भूमिका को बेहद रचनात्मक तरीके से उकेरा गया है। भरत सिंह ने देशभर में 20 से अधिक सोलो एग्ज़िबिशन के माध्यम से समाजसेवी और प्रेरणादायी व्यक्तित्वों को केंद्र में रखा है। इस प्रदर्शनी के बारे में उन्होंने कहा– मेरी कला का उद्देश्य हमेशा उन व्यक्तित्वों के कार्यों को जनता तक पहुँचाना है, जो राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। माननीय देवेंद्र फडणवीस जी के कार्यों और उनके व्यक्तित्व ने मुझे इस प्रदर्शनी के लिए प्रेरित किया। मेरी इच्छा है कि लोग कला के माध्यम से ऐसे राष्ट्रनिमार्ताओं को और करीब से जानें।

5 दिसंबर को होगा उद्घाटन प्रदर्शनी का उद्घाटन 5 दिसंबर सुबह 11 बजे भाजपा मुंबई के अध्यक्ष अमित साटम करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष माननीय राहुल नार्वेकर करेंगे। इस अवसर पर कौशल, रोजगार एवं नवाचार मंत्री मंगल प्रभात लोढा और सांस्कृतिक मंत्री आशिष शेलार भी उपस्थित रहेंगे। यह प्रदर्शनी प्रतिदिन सुबह 11 बजे से शाम 7:30 बजे तक सभी नागरिकों के लिए खुली रहेगी। कला प्रेमियों, विद्यार्थियों, शोधकताओं और महाराष्ट्र के विकास मॉडल में रुचि रखने वाले लोगों के लिए यह एक प्रेरणादायी और जानकारीपूर्ण अनुभव साबित होगा।

उदयपुरझमुंबई क्रिकेट चैंपियनशिप 2025 का खिताब मुंबई के नाम

उदयपुर (उत्तर शक्ति)। उदयपुर शहर के एम.बी. मैदान में आयोजित उदयपुरझमुंबई क्रिकेट चैंपियनशिप 2025 में इस, वर्ष यूथ यूनाइट मुंबई ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब पर कब्जा जमाया। रोमांचक फाइनल मुकाबले में मुंबई ने 6 रन से जीत हासिल की। मुंबई द्वारा दिए गए 104 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए उदयपुर की टीम 98 रनों पर ऑल आउट हो गई। टूनामेंट में घातक गेंदबाजी विनोद वकावत और सुभाष पांचोली ने पूरे टूनामेंट में ओपनिंग स्पेल में डर पैदा करने वाली घातक गेंदबाजी की,(फाइनल में विनोद वकावत ने 2 मेडन ओवर फेंके) जिससे विरोधी टीमें शुरूआत से ही दबाव में रहीं। महेंद्र देवड़ा ने अपनी तेज और सटीक गेंदबाजी से फाइनल में 2 महत्वपूर्ण विकेट झटके। पावरप्ले के बाद भारत बोहरा और कपिल पांचोली की बेहतरीन जोड़ी ने रन बनाना बेहद मुश्किल कर दिया और नियमित अंतराल पर विकेट लेते रहे। बल्लेबाजों और ऑलराउंडर्स का योगदान तकनीकी और क्लासिकल बल्लेबाज पंकज कोठारी ने नॉकआउट मुकाबलों में महत्वपूर्ण और जिम्मेदार पारियाँ खेलीं। लीग मैचों में अशोक देवड़ा ने टीम को कई बार शानदार आतिशी शुरूआत दिलाई। हरफनमौला प्रदर्शन करने वाले कपिल पंचोली, जिन्हें मैन ऑफ द सीरीज चुना गया, ने बल्ले, गेंद और फील्डिंग–तीनों में उत्कृष्ट योगदान दिया। विकेटकीपर-बल्लेबाज मोहित बोहरा ने टूनामेंट के हर मैच में महत्वपूर्ण पारी खेली और अपनी शानदार विकेटकीपिंग से मैच को एकतरफा बनाने में अहम भूमिका निभाई। नॉकआउट चरण में टीम से जुड़े मयंक ने बैट और बॉल दोनों से दमदार प्रदर्शन किया। फील्डिंग ने बनाया मैच का मोमेंटम फाइनल में राकेश देवड़ा (जडडू) ने फुतीर्ली फील्डिंग का प्रदर्शन करते हुए दो महत्वपूर्ण खिलाड़ियों को रन आउट किया, जिससे उदयपुर की टीम दबाव में आ गई। कप्तान महावीर बोहरा ने जीत पर खुशी जताते हुए कहा हमारी गेंदबाजी, बल्लेबाजी और फील्डिंग–हर विभाग ने आज अपना सर्वश्रेष्ठ दिया। टीमवर्क ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है और उसी की बदौलत हम यह खिताब जीत पाए।

महिलाओं व पुरुषों को परिवार नियोजन की दी गई जानकारी

सिवान (उत्तरशक्ति)। महाराजगंज बिहार के सीवान जिला अंतर्गत महाराजगंज अनुमंडल अस्पताल में बुधवार को अनुमंडल अस्पताल में परिवार नियोजन अभियान के तहत एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। परिवार नियोजन के पदाधिकारी एस के बघेल के देखरेख में आयोजित इस बैठक में बड़ी संख्या में महिलाओं और पुरुषों को परिवार नियोजन संबंधी परामर्श और निःशुल्क सामग्री प्रदान की गई। बैठक में 'हम दो, हमारे दो' की नीति और बच्चों के जन्म में अंतराल के महत्व पर जागरूकता फैलाने के साथ-साथ परिवार नियोजन के विभिन्न साधनों की जानकारी दी गई। बैठक में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए फैमिली प्लानिक के अधिकारी ने परिवार नियोजन के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने 'हम दो, हमारे दो' की नीति को स्वस्थ परिवार और बेहतर भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया। श्री बघेल ने समझाया कि बच्चों के जन्म में कम से कम तीन वर्ष का अंतर माता के स्वास्थ्य और बच्चे के संपूर्ण विकास के लिए आवश्यक है। इस दौरान महिलाओं को सुरक्षित अंतराल के लिए इंजेक्शन लेने की सलाह दी गई। साथ ही परिवार नियोजन के अन्य साधनों के बारे में भी विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। अस्पताल की ओर से परिवार नियोजन का साधन निःशुल्क वितरण किया गया, जिसे लोगों ने उत्साहपूर्वक प्राप्त किया। शिविर में आए दंपतियों ने बताया कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों से उन्हें कई महत्वपूर्ण जानकारियाँ मिली है, जिनसे वे अपने परिवार के स्वास्थ्य और भविष्य को बेहतर तरीके से प्लान कर सकेंगे। स्वास्थ्य अनुमंडल अस्पताल के कर्मियों ने लोगों से नियमित रूप से स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने और परिवार नियोजन के साधनों को अपनाकर स्वस्थ समाज बनाने में सहयोग करने की अपील की।

नौकरी दिलाने के नाम पर महिला से हड़पे दो लाख

बांदा (उत्तरशक्ति)। नगर पालिका में नौकरी दिलाने के नाम पर लिपिक ने महिला से दो लाख रुपये लेकर हड़प लिए। महिला ने गुरुवार को जिलाधिकारी कार्यालय में पेश होकर अपनी व्यथा सुनाई है। डीएम ने प्रकरण की जांच के आदेश दिए हैं। शहर कोतवाली क्षेत्र के नोनिया मोहाल की रहने वाली पूजा ने जिलाधिकारी को दिए शिकायती पत्र में आरोप लगाते हुए बताया कि उसने अपने पति कुलदीप की नौकरी के लिए नगर पालिका में तैनात एक लिपिक से बात की थी। लिपिक ने नौकरी दिलाने के एवज में उससे 16 अक्टूबर को नगर पालिका के बाहर पान के डिब्बे के पास दो लाख रुपये लिए थे। महिला का कहना है कि उसने अपने जेवर सुनार के यहां गिरवीं रखकर डेढ़ लाख और अपनी बहन से 50 हजार रुपये कर्ज लेकर दिए थे। आरोपी लिपिक ने 20 दिन में नौकरी और 60 हजार रुपये वेतन दिलाने की बात भी कही थी। तब से वह चक्कर लगा रही है। उधर, जिलाधिकारी ने इस प्रकरण के लिए एडीएम को मामला सौंपा था। उन्होंने नगर पालिका ईओ को यह मामला स्थानांतरण कर दिया है। अब ईओ जांच के नाम पर उसकी सुन नहीं रहे हैं। पीड़ित महिला ने दो लाख रुपये वापस दिलाए जाने की मांग की है। नगर पालिका ईओ श्रीचंद्र ने बताया कि जिलाधिकारी के आदेश पर पूरे प्रकरण की जांच चल रही है।

दुबई से लौटे युवक को रोडवेज बस ने कुचला

मऊ। मऊ केचिरैयाकोट थाना क्षेत्र के भीखमपुर गांव के पास बृहस्पतिवार की दोपहर एक बजे बेकाबू रोडवेज बस ने खाद लेने निकले साइकिल सवार को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही युवक नीचे आ गिरा, जिसे बस कुचलते हुए फरार हो गया। उधर हादसे के बाद नाराज परिजनों ने लोगों के साथ मिलकर लोगों ने बस चालक पर कार्रवाई के साथ मौके पर दस लाख मुआवजा की मांग को लेकर गाजीपुर-आजमगढ़ मार्ग जाम कर दिया। सीओ मुहम्मदाबाद गोहना, पूर्व एमएलसी के काफी प्रयास के बाद आक्रोशित लोगों ने जाम खत्म नहीं किया था। इससे करीब सड़क मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लग गई।

जानकारी के अनुसार, चिरैयाकोट थाना क्षेत्र के अल्देमऊ निवासी दीपक यादव (24) पुत्र रामधनी बृहस्पतिवार की दोपहर एक बजे साइकिल से खेत के लिए खाद लेने निकला था। अभी वह आजमगढ़-गाजीपुर मार्ग स्थित भीखमपुर के पास पहुंचा था कि पीछे से आ रही यात्रियों से भरी रोडवेज ने उसे टक्कर मार दी, हादसे में दीपक की घटनास्थल पर मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी चालक बस को रोकने के बजाए पूरी रफ्तार से गाजीपुर की तरफ भाग निकला। उधर, जैसे ही हादसे की सूचना मृतक के परिजनों को हुई तो गांव के लोगों के साथ मिलकर गाजीपुर-आजमगढ़ मार्ग पर जाम लगा दिया। यह जाम दोपहर डेढ़ बजे से शुरू हुआ जो कि शाम तक चलता रहा। इस दौरान जाम की सूचना मिलने पर सबसे पहले मुहम्मदबाद गोहना सीओ शीतला प्रसाद पांडेय, चिरैयाकोट एसओ सुभाषचंद्र के साथ पहुंचे। यहां सीओ ने काफी समझाने के बाद जब जाम नहीं हटा तो पूर्व एमएलएसी यशवंत सिंह ने भी नाराज ग्रामीणों से जाम हटाने की अपील की, लेकिन नाराज ग्रामीण डीएम-एसपी को बुलाने की मांग पर अड़े रहे। जहां शाम चार बजे के बाद एसडीएम मुहम्मदाबाद गोहना अभिषेक गोस्वामी पहुंचकर जाम कर रहे लोगों को समझाने का प्रयास किया। जहां उचित राशि का मुआवजा देने के साथ बस चालक और परिचालक की जल्द ही गिरफ्तारी करने की बात कही। जिसके बाद तीन घंटे बाद जाम समाप्त हो सका।

लोरी प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण संपन्न

प्रयागराज (उत्तरशक्ति) । हमारे बचपन में माँ की गायी हुई न जाने कितनी लोरियां आज भी याद हैं पर आज के बच्चों ने क्या दादी, नानी, माँ से कोई लोरी सुनी ,बहुधा शायद नहीं ' इसलिए इसका पुनर्जागरण जरूरी है। इसी क्रम में सांस्कृतिक संस्था अभिनव प्रयागराज ने रानी रेवती देवी सरस्वती विद्या निकेतन इंटर कॉलेज के बच्चों के लिए द्वितीय लोरी प्रतियोगिता 2025 आयोजित किया।

लोरी प्रतियोगिता के दोनों वर्गो के नाम सुविख्यात अंतर्राष्ट्रीय महिला गायिकाओं पर रखा गया। प्रथम वर्ग में कक्षा 6,7,8,व 9 के बच्चे थे ,जिसमें प्रथम पुरस्कार लता मंगेशकर ग्रुप से इशिका कुशवाहा, परिधि सिंह, साक्षी गुप्ता, विदुषी चौधरी व गरिमा श्रीवास्तव को द्वितीय पुरस्कार सुनिधि चौहान ग्रुप से अदिति तिवारी,आस्था शुक्ला व सुरभि झा को तथा तृतीय पुरस्कार प्रत्युषा सिंह, युशिता शर्मा, नंदिनी पाल, रिद्धि सिंह व रितिका जायसवाल को मिला । दूसरे वर्ग में 11वीं तथा 12वीं के छात्र थे जिसमें प्रथम पुरस्कार श्रेया घोषाल ग्रुप से आस्था पांडेय,आभा श्रीवास्तव, गरिमा मिश्रा, सौम्या नैलवाल व सोनी बिष्ट को तथा द्वितीय पुरस्कार शुभ्रा पाल, सलोनी एरन, दिशा कुमारी, आकाशी गुप्ता व सृष्टि कैथवास को तथा तृतीय पुरस्कार गीता दत्ता ग्रुप से दीपशिखा, वैष्णवी, मानवी सोनकर को मिला। प्रतियोगिता में निर्णायक जाने माने राष्ट्रीय गायक मनोज गुप्ता तथा वरिष्ठ सांस्कृतिज्ञ शैलेश श्रीवास्तव रहे। संस्था के मीडिया अधिकारी अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा ने कहा लोरी गायन भारत की सबसे प्राचीन गायन परंपरा है जो विलुप्त होने के कगार पर है इसको विलुप्त नहीं होना चाहिए इसका आयोजन सर्वत्र होना चाहिए। मुख्य अतिथि बाके बिहारी पांडेय ने कहा कि पुनर्जागरण में लोरियों का प्रथम स्थान है। कार्यक्रम के आयोजक मंडल में रितिक श्रीवास्तव, शादमा खातून, सर्वेश प्रजापति, अमरेश श्रीवास्तव, अर्चना श्रीवास्तव, आदित्य सिंह व प्रदीप श्रीवास्तव का अथक परिश्रम व अमूल्य योगदान रहा ' अंत में मुख्य अतिथि रानी रेवती देवी इंटर कॉलेज के प्राचार्य बाँके बिहारी पाण्डेय ने छात्र-छात्राओं पुरस्कार व आशीर्वाद प्रदान किया।

संदिग्ध परिस्थितियो में घर में फर्श पर पड़ा मिला युवक का शव

हापुड़ (उत्तरशक्ति)। हापुड़ में नगर कोतवाली इलाके के मोदीनगर रोड स्थित गांव गोयना निवासी अनुज(29) का शव बुधवार की रात संदिग्ध परिस्थितियों में घर में फर्श पर पड़ा मिला। इस दौरान घर का बाहर से ताला भी लगा हुआ था। पुलिस सभी बिंदुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। मृतक के छोटे भाई अजय ने बताया कि वह अपनी मां चंद्रवती व भाई संजू के साथ गांव स्थित एक मकान में रहते हैं।

जबकि उनके बड़े भाई गांव में बने दूसरे मकान में रहते हैं। उनकी पत्नी नीशू अपने पुत्र वाशु व पुत्री माही के साथ विवाद के चलते दीवाली पर अपने मायके चली गई थीं। बुधवार की शाम से उनके बड़े भाई अनुज उन्हें कहीं दिखाई नहीं दिए थे। इसके बाद वह उन्हें तलाश करते हुए बड़े भाई के मकान पर पहुंचे। इस दौरान मकान के बाहर से ताला लगा हुआ था। रात करीब साढ़े आठ से नौ बजे के बीच में उसने मकान की छत पर चढ़कर जाल से देखा तो उनके बड़े भाई मकान में फर्श पर पड़े हुए थे। उनके शोर मचाने पर पड़ोस में रहने वाले लोग में यहां एकत्र हो गए और उनका भाई व मां भी यहां पहुंच गईं। इसके बाद मकान का ताला तोड़कर सभी ने अंदर प्रवेश किया। फर्श पर पड़े अनुज को स्थानीय चिकित्सक को दिखवाया गया। जिन्होंने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने इसकी सूचना पर पुलिस को दी। सूचना पर नगर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र सिंह बिष्ट पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जांच में जुट गए। मृतक अनुज का गांव के ही दो तीन युवकों के साथ खाना पीना भी रहता था। जिनके साथ अनुज अक्सर रहते थे। मृतक अनुज चार भाई व दो बहनों में दूसरे नंबर के थे।

वर्ल्ड डिसेबल्ड डे पर नूतन गुलगुले फाउंडेशन के कार्यक्रम में शामिल हुई स्नेहा दुबे पंडित

वसई। स्वानंद सेवा सदन, प्रभात कॉलोनी, फैक्ट्री पाड़ा, अनार्ला, विरार वेस्ट मे वर्ल्ड डिसेबल्ड डे के मौके पर, नूतन गुलगुले फाउंडेशन ने स्वानंद सेवा सदन, प्रभात कॉलोनी, फैक्ट्री पाड़ा, अनार्ला, विरार वेस्ट में दृष्टिबाधित भाइयों के लिए एक स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग प्रोग्राम ऑर्गनाइज किया। वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने इस जरूरी प्रोग्राम में चीफ गेस्ट के तौर पर शामिल होने का मौका मिला। इस पहल के जरिए, दृष्टिबाधित भाइयों को आत्मनिर्भर बनाने, उनके स्किल को दिशा देने और समाज के हर वर्ग को मेनस्ट्रीम में लाने की एक सराहनीय कोशिश की गई। इस प्रोग्राम में मैं, दिव्यांग एम्पावरमेंट ऑफिसर, ज़िला परिषद पालघर डॉ. प्रकाश हंसलकर, सरपंच, अनार्ला नंदकुमार घरात, ट्रस्टी, एन. एम. बुधरानी ट्रस्ट प्रकाश बोरगांवकर साथ ही बड़ी संख्या में लोकल नागरिक, पदाधिकारी और एक्टिविस्ट शामिल हुए। समाज में दिव्यांगों के लिए ऐसी एक्टिविटीज ऑर्गनाइज करने के लिए नूतन गुलगुले फाउंडेशन को दिल से बधाई।

संविधान दिवस पर कार्यक्रम सम्पन्न

वसई रोड । संविधान की आधारशिला के समर्पण का शानदार पल वसई तहसीलदार ऑफिस, वसई वेस्ट में वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित द्वारा भारत के संविधान की आधारशिला का समर्पण पूरा हुआ।

संविधान के मूल्यों को याद रखने और एडमिनिस्ट्रेटिव सेक्टर में इसके लागू करने को मजबूत करने के मकसद से लगाया गया यह आधारशिला निश्चित रूप से नागरिकों में जागरूकता बढ़ाने में मदद करेगा।

इस लोकार्पण समारोह में मैं, प्रांत अधिकारी शेखर घाडगे, वसई इंचार्ज तहसीलदार विनोद धोत्रे, नायब तहसीलदार शशिकांत नाचन, फ्ढकजिला अध्यक्ष ईश्वर धुले, मिलिंद खानोलकर, मैकेंजी डाबरे, इखढ अनुसूचित जाति मोर्चा जिला अध्यक्ष सतीश भोंडवे, BJP जिला सचिव नंदकुमार महाजन, इखढ वसई नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती गीतांजलि दरीवाला, श्रीमती अपर्णा पाटिल, संतोष काकड़, पूर्व नगरसेवक छोटू आनंद, श्रीमती राजल नाइक, श्रीमती सुचिता शेट्टी, अमित पवार, एडवोकेट साधना धुरी, हरीश बेदी, निखिल बाबर के साथ-साथ तहसील ऑफिस के अधिकारी, पदाधिकारी, कार्यकर्ता और नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद थे। भारत के संविधान के मूल्यों के प्रति सम्मान पैदा करने वाली यह पहल निश्चित रूप से समाज में लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने के लिए एक प्रेरणा होगी।

जेएसडब्लू एमजी मोटर इंडिया का मिडनाईट कार्निवल हुआ शुरू

पटना (उत्तरशक्ति)। जेएसडब्लू एमजी मोटर इंडिया ने पूरे देश में अपना मिडनाईट कार्निवल शुरू किया है। यह कार्निवल 5 से 7 दिसंबर, 2025 तक एमजी की संपूर्ण वाहन श्रृंखला के लिए है। इस कार्निवल के दौरान सभी एमजी शोरूम तीन दिनों के लिए आधी रात तक खुले रहेंगे, ताकि ग्राहकों को अपने परिवार एवं दोस्तों के साथ डीलरशिप पर आकर एमजी वाहन खरीदने के लिए ज्यादा सुविधा और समय मिल सके। यहाँ पर उन्हें बिल्कुल जश्न और त्योहार जैसा अनुभव प्राप्त होगा। मिडनाईट कार्निवल से इनोवेशन और यादगार ओनरशिप अनुभवों के साथ ग्राहकों पर केंद्रित रहने की जेएसडब्लू एमजी मोटर इंडिया की प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है। शोरूम के खुले रहने का समय बढ़ाकर और डीलरशिप में दिलचस्प गतिविधियाँ पेश करके इस ब्रांड का उद्देश्य कार की खरीददारी के अनुभव को एक खुशनुमा और परिवारों के अनुकूल जश्न में तब्दील करना है। इस बारे में, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी विनय रैना ने कहा, जेएसडब्लू एमजी मोटर इंडिया में हम बेहतरीन अनुभवों के लिए कारों से आगे बढ़कर सेवाएं देने में यकीन रखते हैं। यह साल हमारे ब्रांड में ग्राहकों के विश्वास और प्यार का प्रमाण है।